



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 132]

नई दिल्ली, सोमवार, मई 21, 2012/वैशाख 31, 1934

No. 132]

NEW DELHI, MONDAY, MAY 21, 2012/VAISAKHA 31, 1934

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 21 मई, 2012

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ] विनियम, 2012

सं. एल.ए.डी.-एन.आर.ओ./जी.एन./2012-13/04/11262.—भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 11 की उप-धारा (1), धारा 11 की उप-धारा (2) के खंड (खक) तथा खंड (ग) और धारा 12 की उप-धारा (1) तथा (1ख) के साथ पठित धारा 30 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

अध्याय-1

प्रारंभिक

संक्षिप्त नाम और प्रारंभ

1. (1) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड [आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ] विनियम, 2012 कहा जायेगा।
- (2) ये विनियम राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

परिभाषाएँ

2. (1) इन विनियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इसमें परिभाषित शब्दों के वही अर्थ होंगे जो नीचे उनके लिए नियत हैं, और उनके सजातीय पदों तथा रूपभेदों का अर्थ तदनुसार लगाया जायेगा,—
 - (क) "अधिनियम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1995 का 15) अभिप्रेत है;
 - (ख) "आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि" से न्यास या कंपनी या सीमित दायित्व भागीदारी या निगमित निकाय के रूप में भारत में स्थापित या निगमित कोई निधि अभिप्रेत है जो,—
 - (i) निजी रूप से एकत्रित निवेश माध्यम है जो विनिधानकर्ताओं (निवेशकों), चाहे भारतीय हों या विदेशी हों, से निधियाँ एकत्र करता है, इनका विनिधान (निवेश) इसके विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के फायदे के लिए परिनिश्चित विनिधान (निवेश) नीति के अनुसार करने के लिए; और
 - (ii) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पारस्परिक निधि) विनियम, 1996, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सामूहिक विनिधान स्कीम) विनियम, 1999 या निधि प्रबंधन क्रियाकलापों को विनियमित करने के बोर्ड के किसी अन्य विनियम के अंतर्गत न आती हो :

	परंतु यह कि इन विधियों के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित को आनुकूलिक विनिधान (निवेश) निधि नहीं समझा जायेगा, -
	(i) कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन यथा परिभाषित "नातेदारों" के फायदे के लिए स्थापित कौटुंबिक न्यास ;
	(ii) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (कर्मचारी स्टॉक विकल्प स्कीम और कर्मचारी स्टॉक क्रय स्कीम) मार्गदर्शक सिद्धांत, 1999 के तहत स्थापित या कंपनी अधिनियम, 1956 में यथा अनुज्ञात ईएसओपी न्यास ;
	(iii) कर्मचारियों के फायदे के लिए स्थापित कर्मचारी कल्याण न्यास या उपदान न्यास ;
	(iv) कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 4 के अर्थ के भीतर "धारिता (नियंत्री) कंपनियाँ" ;
	(v) अन्य विशेष प्रयोजन माध्यम जो निधि प्रबंधकों द्वारा स्थापित न हों, जिनमें प्रतिभूतिकरण न्यास सम्मिलित हैं, विनिर्दिष्ट विनियामक ढाँचे के अधीन विनियमित ;
	(vi) प्रतिभूतिकरण कंपनी या पुनर्गठन कंपनी जो वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 3 के अधीन भारतीय रिज़र्व बैंक के पास रजिस्ट्रीकृत है द्वारा प्रबंधित निधियाँ ; और
	(ix) निधियों का कोई ऐसा पूल (संग्रहण) जो प्रत्यक्षतः भारत में किसी अन्य विनियामक द्वारा विनियमित है ।

	(ग)	"सहयुक्त" से वह कंपनी या सीमित दायित्व भागीदारी या निगमित निकाय अभिप्रेत है जिसमें आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का निदेशक या न्यासी या भागीदार या प्रायोजक या प्रबंधक अथवा प्रबंधक या प्रायोजक का निदेशक या भागीदार, या तो व्यक्ति: या सामूहिक रूप से, यथास्थिति, इसकी समादत्त इक्विटी शेयर पूँजी या भागीदारी हित के 15% से अधिक धारण करता है ;
	(घ)	"बोर्ड" से अधिनियम की धारा 3 के अधीन स्थापित भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अभिप्रेत है ;
	(ङ)	"प्रमाणपत्र" से विनियम 6 के अधीन बोर्ड द्वारा प्रदान किया गया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है ;
	(च)	नियंत्रण में परिवर्तन", कंपनी, सीमित दायित्व भागीदारी और निगमित निकाय के संबंध में, से अभिप्रेत है :
	(i)	यदि इसके शेयर किसी मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हैं, तो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के विनियम 2(ङ) के अर्थ के भीतर नियंत्रण में परिवर्तन ;
	(ii)	किसी अन्य मामले में, नियंत्रक हित में परिवर्तन या विधिक रूप में परिवर्तन ;
		<u>स्पष्टीकरण :-</u> उप-खंड (ii) के प्रयोजन के लिए, पद "नियंत्रक हित" से हित, चाहे प्रत्यक्ष हो या अप्रत्यक्ष, मताधिकारों या हित के पचास प्रतिशत

		से अधिक तक, अभिप्रेत है ;
	(छ)	"कंपनी" से कंपनी अधिनियम, 1956 के अधीन निगमित कंपनी अभिप्रेत है;
	(ज)	"कार्पस" से लिखित संविदा या किसी ऐसे दस्तावेज के माध्यम से आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) द्वारा सुपुर्द की गयी निधियों की कुल रकम, विनिर्दिष्ट तारीख को, अभिप्रेत है;
	(झ)	"ऋण निधि (डैट फंड)" से वह आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि अभिप्रेत है जो प्राथमिक रूप से निधि के कथित उद्देश्यों के अनुसार सूचीबद्ध या असूचीगत इन्वेस्टी कंपनियों के ऋण (डैट) या ऋण प्रतिभूतियों (डैट सिक्यूरिटीज़) में विनिधान (निवेश) करती है ;
	(ञ)	"इक्विटी संबद्ध लिखतों" के अंतर्गत इक्विटी शेयरों या शेयर वारंटों में संपरिवर्तनीय लिखतें, अधिमानी शेयर, इक्विटी में अनिवार्यतः या वैकल्पिक रूप से संपरिवर्तनीय डिबेंचर हैं ;
	(ट)	"प्ररूप" से पहली अनुसूची में दिए हुए प्ररूपों में से कोई प्ररूप अभिप्रेत है
	(ठ)	"हैज निधि" से वह आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि अभिप्रेत है जो विविध या जटिल व्यापारिक युक्तियाँ नियोजित करता है और विविध जोखिम या जटिल अंडरलाइंग (अंतर्निहित) उत्पादों जिनमें सूचीबद्ध तथा असूचीगत व्युत्पन्नियाँ (डेरिवेटिव) सम्मिलित हैं वाली प्रतिभूतियों में विनिधान तथा व्यापार करता है;

	(ड)	"अवसंरचना निधि" से वह आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि अभिप्रेत है जो प्राथमिक रूप से अवसंरचना परियोजनाओं का प्रचालन करने, का विकास करने या को धारण करने में लगी या के प्रयोजन के लिए बनी इन्वेस्टी कंपनियों या विशेष प्रयोजन माध्यमों की असूचीगत प्रतिभूतियों या भागीदारी हित या सूचीबद्ध ऋण (डैट) या प्रतिभूत ऋण लिखतों में विनिधान (निवेश) करती है ;
		स्पष्टीकरण : "अवसंरचना" वही होगी जो भारत सरकार द्वारा समय-समय पर परिनिश्चित की जाये ।
	(ढ)	"निरीक्षण प्राधिकारी" से इन विनियमों के विनियम 30 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने के लिए बोर्ड द्वारा नियुक्त कोई एक व्यक्ति या अधिक व्यक्ति अभिप्रेत हैं ;
	(ण)	"इन्वेस्टी कंपनी" से कोई कंपनी, विशेष प्रयोजन माध्यम या सीमित दायित्व भागीदारी या निगमित निकाय जिसमें आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि विनिधान (निवेश) करती है अभिप्रेत है ;
	(त)	"विनिधानयोग्य निधियाँ"(निवेशयोग्य निधियाँ) से आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का कार्पस, निधि के प्रशासन और प्रबंध के लिए अनुमानित व्यय को घटाकर, अभिप्रेत है ;
	(थ)	"प्रबंधक" से कोई व्यक्ति या एंटीटी अभिप्रेत है जो आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि द्वारा इसके विनिधानों (निवेशों) का प्रबंध करने के लिए नियुक्त हो, चाहे उसे किसी भी नाम से पुकारा जाये, और निधि का प्रायोजक भी हो सकेगा ;

	(द)	"निजी इक्विटी निधि" से वह आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि अभिप्रेत है जो प्राथमिक रूप से निधि के कथित उद्देश्यों के अनुसार इन्वेस्टी कंपनियों की इक्विटी या इक्विटी संबद्ध लिखतों या भागीदारी हितों में विनिधान (निवेश) करती है ;
	(ध)	"एसएमई" से सूक्ष्म और मध्यम उद्यम अभिप्रेत है और इसका वही अर्थ होगा जो समय-समय पर यथा संशोधित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अधीन इसके लिए नियत है ;
	(न)	"एसएमई निधि" से वह आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि अभिप्रेत है जो प्राथमिक रूप से इन्वेस्टी कंपनियों जो एसएमई हैं की असूचीगत प्रतिभूतियों में या उन एसएमई की प्रतिभूतियों में विनिधान (निवेश) करती है जो एसएमई एक्सचेंज या एक्सचेंज के एसएमई खंड में सूचीबद्ध हैं या सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं;
	(प)	"सामाजिक उद्यम" से सामाजिक कल्याण की अभिवृद्धि करने या सामाजिक समस्याओं का हल निकालने या सामाजिक फायदे पहुँचाने के प्रयोजनार्थ बनाये गये न्यास, सोसाइटी, या कंपनी या जोखिम पूँजी उपक्रम या सीमित दायित्व भागीदारी अभिप्रेत है और जिसमें,-
	(i)	पूत आयुक्त से रजिस्ट्रीकृत लोक पूत न्यास ;
	(ii)	पूत प्रयोजनों के लिए अथवा विज्ञान, साहित्य, या ललित कलाओं की अभिवृद्धि के लिए रजिस्ट्रीकृत सोसाइटियाँ ;
	(iii)	भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 25 के अधीन रजिस्ट्रीकृत कंपनी ;

	(iv)	सूक्ष्म (लघु) वित्त संस्थाएँ सम्मिलित हैं ;
	(फ)	"सामाजिक उद्यम निधि" से वह आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि अभिप्रेत है जो प्राथमिक रूप से सामाजिक उद्यमों की प्रतिभूतियों या यूनिटों में विनिधान (निवेश) करती है और जो निधि द्वारा अधिकथित सामाजिक कार्य-निष्पादन के मानकों को पूरा करती है और जिसके विनिधानकर्ता (निवेशक) निर्बंधित या कम प्रतिलाभ प्राप्त करने के लिए सहमत हो सकते हैं ;
	(ब)	"प्रायोजक" से कोई एक व्यक्ति या अधिक व्यक्ति अभिप्रेत हैं जिन्होंने आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि स्थापित की हो और जिसके अंतर्गत कंपनी के मामले में संप्रवर्तक (प्रमोटर) और सीमित दायित्व भागीदारी के मामले में अभिहित भागीदार सम्मिलित है ;
	(भ)	"न्यास" से भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 के अधीन या संसद के अधिनियम या राज्य विधान के अधीन स्थापित न्यास अभिप्रेत है ;
	(म)	"यूनिट" से आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि या आनुकल्पिक विनिधान निधि की स्कीम में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) का फायदाप्रद हित अभिप्रेत है और जिसमें शेयर या भागीदारी हित सम्मिलित होंगे ;
	(य)	"जोखिम पूँजी निधि" से वह आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि अभिप्रेत है जो प्राथमिक रूप से नये उत्पादों, नयी सेवाओं, प्रौद्योगिकी या बौद्धिक संपदा अधिकार आधारित क्रियाकलापों या नये कारबार (बिजनेस) मॉडल

		में मुख्यतः अंतर्वलित शुरूआती, उभरते हुए या आरंभिक अवस्था वाले जोखिम पूँजी उपक्रमों की असूचीगत प्रतिभूतियों में विनिधान (निवेश) करती है ;
	(कक)	"जोखिम पूँजी उपक्रम" से इन्वेस्टी कंपनी अभिप्रेत है :
	(i)	जो विनिधान (निवेश) किये जाने के समय भारत में मान्यताप्राप्त स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं है ; और
	(ii)	जो सेवाएँ उपलब्ध कराने, वस्तु या चीजों के उत्पादन या विनिर्माण के कारबार में लगी है और जिसमें निम्नलिखित क्रियाकलाप या क्षेत्र (सेक्टर) सम्मिलित नहीं हैं :
		(1) गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियाँ ;
		(2) स्वर्ण वित्तपोषण (गोल्ड फाइनेंसिंग) ;
		(3) वे क्रियाकलाप जो भारत सरकार की औद्योगिक नीति के अधीन अनुज्ञात न हों ;
		(4) कोई अन्य क्रियाकलाप जो बोर्ड द्वारा समय-समय पर भारत सरकार के परामर्श से विनिर्दिष्ट किया जाये ।
	(2)	अन्य सभी पदों के, जब तक कि इसमें परिभाषित न हों, वही अर्थ होंगे जो, यथास्थिति, अधिनियम या प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) या कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1), या उसके किसी कानूनी उपांतर या पुनःअधिनियमिति के अधीन उनके लिए

		नियत किये गये हों।
--	--	--------------------

अध्याय - II

आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों का रजिस्ट्रीकरण

आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों का रजिस्ट्रीकरण		
3.	(1)	इन विनियमों के प्रारंभ से ही, कोई एंटीटी या व्यक्ति आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में कार्य नहीं करेगा जब तक कि उसने बोर्ड से रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्राप्त न कर लिया हो :
		परंतु यह कि आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की परिभाषा के भीतर आने वाली विद्यमान निधि जो बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत नहीं है इन विनियमों के प्रारंभ से छह महीनों की अवधि के लिए या यदि इसने उक्त छह महीनों की अवधि के भीतर उप-विनियम (5) के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया हो, तो ऐसे आवेदन का निपटारा होने तक क्रियाशील बनी रह सकेगी :
		परंतु यह और कि बोर्ड, विशेष मामलों में, उक्त अवधि को ऐसे प्रारंभ की तारीख से अधिकतम बारह महीनों तक बढ़ा सकेगा :
		परंतु यह और कि जबकि विद्यमान स्कीमों को अपनी सहमत अवधि को पूरा करने की अनुज्ञा होगी, ऐसी निधियाँ पहले ही से दी हुई सुपुर्दगियों

		से भिन्न कोई नया धन नहीं जुटा सकेंगी जब तक विनियम 6 के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रदान नहीं कर दिया जाता :
		परंतु यह और कि यदि ऐसी विद्यमान निधियाँ इन विनियमों के अधीन विनिर्दिष्ट शर्तों का अनुपालन करने में समर्थ नहीं हैं, तो वे इन विनियमों के कड़े अनुपालन से छूट के लिए बोर्ड को आवेदन कर सकेंगी और बोर्ड पड़ताल करने पर ऐसी छूटें प्रदान कर सकेगा या ऐसे अनुदेश जारी कर सकेगा जो समुचित समझे जायें ।
	(2)	भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जोखिम पूँजी निधियाँ) विनियम, 1996 के अधीन जोखिम पूँजी निधियों के रूप में रजिस्ट्रीकृत निधियों का विनियमन उक्त विनियमों द्वारा ही जारी रह सकेगा जब तक विद्यमान निधि या निधि द्वारा प्रबंधित स्कीम का परिसमापन नहीं हो जाता और ऐसी निधियाँ इन विनियमों की अधिसूचना के पश्चात् कोई नयी स्कीम आरंभ नहीं करेंगी :
		परंतु यह कि विद्यमान निधि या स्कीम इन विनियमों की अधिसूचना के पश्चात् निधि या स्कीम के लक्षित कार्पस को नहीं बढ़ायेगी ।
		परंतु यह और कि जोखिम पूँजी निधियाँ इन विनियमों के तहत पुनः रजिस्ट्रीकरण मांग सकेंगी, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में उनके विनिधान (निवेश) के मूल्य के अनुसार उनके दो-तिहाई विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के अनुमोदन के अध्वधीन ।
	(3)	उप-विनियम (1) में निर्दिष्ट कोई एंटीटी जो उसमें विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन करने में असफल रहती है आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में कोई क्रियाकलाप करना

		छोड़ देगी।
	(4)	आनुकूलिक विनिधान (निवेश) निधियाँ इसके नीचे उल्लिखित प्रवर्गों में से एक प्रवर्ग में और प्रवर्ग I आनुकूलिक विनिधान (निवेश) निधि की दशा में, उसके उप-प्रवर्गों में से एक उप-प्रवर्ग में रजिस्ट्रीकरण की नांग करेंगी :
	क.	"प्रवर्ग I आनुकूलिक विनिधान (निवेश) निधि" जो शुरूआती या आरंभिक अवस्था वाले उद्यमों या सामाजिक उद्यमों या एसएमई या अवसंरचना या अन्य सेक्टरों या क्षेत्रों जिन्हें सरकार या विनियामक सामाजिक रूप से या आर्थिक रूप से वांछनीय समझते हैं में विनिधान (निवेश) करती है और जिसमें जोखिम पूँजी निधियाँ, एसएमई निधियाँ, सामाजिक उद्यम निधियाँ, अवसंरचना निधियाँ और ऐसी अन्य आनुकूलिक विनिधान (निवेश) निधियाँ जो विनिर्दिष्ट की जायें सम्मिलित होंगी।
		स्पष्टीकरण - इस खंड के प्रयोजनार्थ, आनुकूलिक विनिधान (निवेश) निधियाँ जिनके बारे में साधारणतया यह समझा जाता है कि उनका अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक स्पिलओवर प्रभाव होता है और जिनके लिए बोर्ड या भारत सरकार या भारत के अन्य विनियामक प्रोत्साहन या रियायतें प्रदान करने पर विचार कर सकते हों सम्मिलित होंगी और ऐसी निधियाँ जो न्यासों या कंपनियों के रूप में बनी हैं का अर्थ "जोखिम पूँजी निधि (वेंचर कैपिटल फंड)" या "जोखिम पूँजी उपक्रम (वेंचर कैपिटल अंडरटेकिंग)" के रूप में लगाया जायेगा जो आयकर अधिनियम की धारा 10 की उप-धारा (चख) के अधीन परिभाषित हैं।
	ख.	"प्रवर्ग II आनुकूलिक विनिधान (निवेश) निधि" जो प्रवर्ग I तथा III में नहीं आती है और जो दैनंदिन व्यवसाय-संबंधी अपेक्षाओं, और इन

		विनियमों में यथा अनुज्ञात, से भिन्न लीवरेज या उधार नहीं लेते ;
		स्पष्टीकरण - इस खंड के प्रयोजनार्थ, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ जैसे कि निजी इक्विटी निधियाँ या ऋण (डैट) निधियाँ जिनके लिए कोई विनिर्दिष्ट प्रोत्साहन या रियायतें सरकार या किसी अन्य विनियामक द्वारा न दी जाती हों सम्मिलित होंगी ।
	ग.	"प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि" को विविध या जटिल व्यापारिक युक्तियाँ लगाती है और जो लीवरेज लगा सकेगी जिसमें सूचीबद्ध या असूचीगत व्युत्पन्नियों में विनिधान (निवेश) के माध्यम से भी सम्मिलित है ।
		स्पष्टीकरण - इस खंड के प्रयोजनार्थ, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ जैसे कि हैज निधियाँ या निधियाँ जो अल्पकालिक प्रतिलाभों के उद्देश्य से व्यापार करती हैं या ऐसी अन्य निधियाँ जो असीमित अवधि वाली हैं और जिनके लिए कोई विनिर्दिष्ट प्रोत्साहन या रियायतें सरकार या किसी अन्य विनियामक द्वारा न दी जाती हों सम्मिलित होंगी ।
	(5)	प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन विनियम 3 के उप-विनियम (4) में यथा विनिर्दिष्ट प्रवर्गों में से किसी प्रवर्ग के लिए इन विनियमों की पहली अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट प्ररूप क में किया जायेगा और जिसके साथ इन विनियमों की दूसरी अनुसूची के भाग क में यथा विनिर्दिष्ट अप्रतिदेय आवेदन फीस संलग्न होगी जो उसके भाग ख में विनिर्दिष्ट रीति में अदा की जायेगी ।
	(6)	बोर्ड रजिस्ट्रीकरण प्रदान करने पर विचार करने के प्रयोजनार्थ विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं पर विचार करेगा ।

	(7)	अधिनियम या उसके अधीन बनाये गये विनियमों के अधीन कोई कार्रवाई करने की बोर्ड की शक्तियों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का परिसमापन हो जाने तक विधिमान्य होगा।
	(8)	बोर्ड, विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में इसके क्रियाकलापों से संबंधित अभिलेखों, दस्तावेजों या प्रतिभूतियों के अंतरण या विनिधानों (निवेश) के व्ययन के विषय में निदेश जारी कर सकेगा।
	(9)	बोर्ड, विनिधानकर्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए, अभिलेखों, दस्तावेजों, प्रतिभूतियों को सुपुर्दगी में लेने के लिए किसी व्यक्ति को नियुक्त कर सकेगा और इस प्रयोजनार्थ, ऐसी नियुक्ति के निबंधन और शर्तें भी अवधारित कर सकेगा।
पात्रता मानदंड		
4.		आवेदक को प्रमाणपत्र प्रदान करने के प्रयोजन के लिए, बोर्ड पात्रता के लिए निम्नलिखित शर्तों पर विचार करेगा, अर्थात् :-
	(क)	कंपनी के मामले में संगम ज्ञापन; या न्यास के मामले में न्यास विलेख; या सीमित दायित्व भागीदारी के मामले में भागीदारी विलेख उसे आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के क्रियाकलाप करने के लिए अनुज्ञात करता है ;
	(ख)	आवेदक इसके संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद या न्यास विलेख या

		भागीदारी विलेख द्वारा इसकी प्रतिभूतियों में अभिदाय करने के लिए जनता को आमंत्रण देने से प्रतिषिद्ध है ;
	(ग)	यदि आवेदक न्यास हो, तो न्यास की लिखत एक विलेख के रूप में हो और उसे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के उपबंधों के अधीन सम्यक् रूप से रजिस्ट्रीकृत किया गया हो ;
	(घ)	यदि आवेदक सीमित दायित्व भागीदारी हो, तो भागीदारी सम्यक् रूप से निगमित हो और भागीदारी विलेख सीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम, 2008 के उपबंधों के अधीन रजिस्ट्रार के पास सम्यक् रूप से दाखिल किया गया हो ;
	(ङ)	यदि आवेदक निगमित निकाय हो, तो वह केन्द्रीय या राज्य विधान-मंडलों की विधियों के अधीन गठित या स्थापित हो और जो आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के क्रियाकलाप करने के लिए अनुज्ञात हो ;
	(च)	आवेदक, प्रायोजक और प्रबंधक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 की अनुसूची II में विनिर्दिष्ट मानदंड के आधार पर उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हैं ;
	(छ)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के प्रबंधक के मुख्य विनिधान (निवेश) दल के पास पर्याप्त अनुभव हो, कम से कम एक मुख्य कार्मिक को पूँजी के पूल के संबंध में सलाह देने या प्रबंधन में अथवा निधि या आस्ति या धन या संविभाग (पोर्टिफोलियो) प्रबंधन में अथवा प्रतिभूतियों या अन्य वित्तीय आस्तियों के क्रय, विक्रय तथा व्यौहार के कारबार में कम से कम पांच वर्षों का अनुभव हो और सुसंगत वृत्तिक अर्हता हो ;

	(ज)	प्रबंधक या प्रायोजक के पास इसके क्रियाकलापों के प्रभावी रूप से निर्वहन के लिए आवश्यक अवसंरचना और जनशक्ति हो ;
	(झ)	आवेदक ने रजिस्ट्रीकरण के समय विनिधान (निवेश) उद्देश्य, लक्षित विनिधानकर्ताओं (निवेशकों), प्रस्तावित कार्पस, विनिधान (निवेश) शैली या युक्ति और निधि या स्कीम की प्रस्तावित अवधि का स्पष्ट रूप से वर्णन किया हो ;
	(ञ)	क्या आवेदक अथवा प्रायोजक या प्रबंधक द्वारा स्थापित किसी एंटीटी को पहले बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकरण से इंकार किया गया है ।
जानकारी देना		
5.	(1)	बोर्ड प्रमाणपत्र प्रदान करने हेतु आवेदन पर विचार करने के लिए या रजिस्ट्रीकरण के पश्चात् आवेदक से निधि के प्रायोजक या प्रबंधक या स्वरूप अथवा निधि प्रबंधन क्रियाकलापों अथवा उससे संबद्ध किसी ऐसे मामले के संबंध में कोई ऐसी अतिरिक्त जानकारी या स्पष्टीकरण देने की अपेक्षा कर सकेगा ।
	(2)	यदि बोर्ड द्वारा अपेक्षित हो, तो आवेदक या प्रायोजक या प्रबंधक व्यक्तिगत प्रतिनिधित्व के लिए बोर्ड के समक्ष हाजिर हो सकेंगे ।
प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए प्रक्रिया		
6.	(1)	बोर्ड आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के किसी विनिर्दिष्ट प्रवर्ग के अधीन प्रमाणपत्र प्रदान कर सकता है, यदि इसका यह समाधान हो जाता

		है कि आवेदक विनियमों में यथा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं को पूरा करता है ।
	(2)	बोर्ड, दूसरी अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण फीस की प्राप्ति पर, प्ररूप ख में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करेगा ।
	(3)	रजिस्ट्रीकरण ऐसी शर्त के साथ प्रदान किया जा सकेगा जो बोर्ड द्वारा समुचित समझी जाये ।
प्रमाणपत्र की शर्तें		
7.	(1)	विनियम 6 के अधीन प्रदान किया गया प्रमाणपत्र, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा :-
	(क)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों का पालन करेगी ;
	(ख)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि अनुज्ञात क्रियाकलापों से भिन्न कोई क्रियाकलाप नहीं करेगी ;
	(ग)	यदि बोर्ड को पहले प्रस्तुत की गयी कोई जानकारी या विशिष्टियाँ किसी तात्त्विक विशिष्टि में मिथ्या या भ्रामक पायी जाती हैं या यदि पहले ही से प्रस्तुत की गयी जानकारी में कोई तात्त्विक परिवर्तन होता है, तो आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि तुरंत बोर्ड को लिखित रूप में सूचित करेगी ।
	(2)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि जिसे किसी विशिष्ट प्रवर्ग के अधीन

		रजिस्ट्रीकरण प्रदान किया गया हो रजिस्ट्रीकरण के बाद में इसके प्रवर्ग में परिवर्तन नहीं कर सकती है, बोर्ड के अनुमोदन के सिवाय।
प्रक्रिया जहाँ रजिस्ट्रीकरण से इंकार किया जाता है		
8.	(1)	विनियम 3 के अधीन किये गये आवेदन पर विचार करने के पश्चात्, यदि बोर्ड की यह राय हो कि प्रमाणपत्र प्रदान नहीं किया जाना चाहिये, तो यह आवेदक को सुने जाने का उचित अवसर देने के पश्चात् आवेदन नामंजूर कर सकेगा।
	(2)	आवेदन को नामंजूर करने का बोर्ड का विनिश्चय तीस दिनों के भीतर आवेदक को संसूचित किया जायेगा।
	(3)	जहाँ प्रमाणपत्र के लिए आवेदन बोर्ड द्वारा नामंजूर किया जाता है, तो वहाँ आवेदक आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में कोई क्रियाकलाप करना छोड़ देगा। परंतु यह कि इस विनियम में दी हुई कोई बात विधि या करार के अधीन आवेदक के विद्यमान विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के प्रति आवेदक के दायित्व को प्रभावित नहीं करेगी।

अध्याय - III

विनिधान (निवेश) शर्तें और निर्बंधन

विनिधान (निवेश) युक्ति		
9.	(1)	सभी आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के लिए अपने स्थानन ज्ञापन / नियोजन ज्ञापन में विनिधान युक्ति, विनिधान प्रयोजन और इसकी विनिधान कार्य-पद्धति का विवरण देंगी।
	(2)	निधि युक्ति में कोई तात्त्विक परिवर्तन कम से कम दो-तिहाई यूनिटधारकों की सहमति से, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में उनके विनिधान (निवेश) के मूल्य के अनुसार, किया जायेगा।
आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में विनिधान (निवेश)		
10.		सभी प्रवर्गों की आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों में विनिधान निम्नलिखित शर्तों के अध्वधीन होगा :-
	(क)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि यूनिटों के निर्गम के तौर पर किसी विनिधानकर्ता से, चाहे भारतीय हो, विदेशी हो या अनिवासी भारतीय हों, निधियाँ जुटा सकेगी ;
	(ख)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की प्रत्येक स्कीम का कार्पस कम से कम बीस करोड़ रुपये का होगा ;
	(ग)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि विनिधानकर्ता (निवेशक) से, एक करोड़ रुपये से कम मूल्य का विनिधान (निवेश) स्वीकार नहीं करेगी ;

		परंतु यह कि उन विनिधानकर्ताओं के मामले में, जो आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के कर्मचारी या निदेशक हैं अथवा प्रबंधक के कर्मचारी या निदेशक हैं, विनिधान का न्यूनतम मूल्य पच्चीस लाख रुपये होगा ।
	(घ)	प्रबंधक या प्रायोजक का आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में सतत् हित कम से कम कार्पस के 2.5% का या पाँच करोड़ रुपये का, जो भी निम्नतर हो, होगा, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में विनिधान के रूप में, और ऐसा हित प्रबंधन फीस के अधित्यजन के माध्यम से नहीं होगा ; परंतु यह कि प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के लिए, सतत् हित कम से कम कार्पस का 5% या दस करोड़ रुपये, जो भी निम्नतर हो, होगा ।
	(ङ)	प्रबंधक या प्रायोजक आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में अपना विनिधान (निवेश) आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को प्रकट करेगा ;
	(च)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की किसी भी स्कीम में हजार से अधिक विनिधानकर्ता (निवेशक) नहीं होंगे ,
	(छ)	निधि निधियों के लिए याचना नहीं करेगी या उन्हें एकत्र नहीं करेगी, सिवाय निजी स्थानन (प्राइवेट प्लेसमेंट) के रूप में ।

स्थानन (प्लेसमेंट) ज्ञापन		
11.	(1)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि सूचना ज्ञापन या स्थानन ज्ञापन, चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाये, जारी करके निजी स्थानन के माध्यम से निधियाँ जुटा सकेगी।
	(2)	उप-विनियम (1) में यथा विनिर्दिष्ट ऐसे सूचना या स्थानन ज्ञापन में आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि तथा प्रबंधक के बारे में, प्रबंधक की मुख्य विनिधान दल की पृष्ठभूमि, लक्षित विनिधानकर्ताओं, प्रभारित किये जाने के लिए प्रस्तावित फीसों तथा सभी अन्य व्ययों, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि या स्कीम की अवधि, मोचन (रिडेंप्शन) संबंधी शर्तों या सीमाओं, विनिधान (निवेश) युक्ति, लगाए गये जोखिम प्रबंधन उपायों तथा मानदंडों, मुख्य सेवा प्रदाताओं, हित विरोध और उन्हें पहचानने तथा दूर करने के लिए प्रक्रियाओं, आनुशासनिक इतिहास, निबंधनों और शर्तों जिन पर प्रबंधक विनिधान (निवेश) सेवाओं का प्रस्ताव करता है, अन्य मध्यवर्तियों के साथ इसके सहबद्धताओं, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि या स्कीम के परिसमापन की रीति के बारे में समस्त तात्त्विक जानकारी और ऐसी अन्य जानकारी अंतर्विष्ट होगी जो विनिधानकर्ता (निवेशक) के लिए सोच-समझकर यह विनिश्चय करने के लिए आवश्यक हो कि वह आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में विनिधान (निवेश) करे या न करे।
स्कीमें		
12.	(1)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि, बोर्ड के पास स्थानन ज्ञापन दाखिल किये जाने के अध्यक्षीन, स्कीमें आरंभ कर सकेगी।

	(2)	<p>ऐसा स्थानन ज्ञापन स्कीम को आरंभ किये जाने के कम से कम तीस दिन पूर्व दूसरी अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट फीस के साथ बोर्ड के पास दाखिल किया जायेगा ।</p> <p>परंतु यह कि स्कीम फीस का भुगतान आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि द्वारा पहली स्कीम के आरंभ के मामले में लागू नहीं होगा ।</p>
	(3)	बोर्ड स्कीम के आरंभ से पूर्व आवेदक को अपनी टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, संसूचित कर सकेगा और आवेदक स्कीम के आरंभ से पूर्व स्थानन ज्ञापन में टिप्पणियाँ सम्मिलित करेगा ।
अवधि		
13.	(1)	प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि और प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि सीमित अवधि वाली होगी और इस विनियम के उप-विनियम (2) के अध्वधीन निधि या स्कीम की अवधि आवेदन के समय अवधारित की जायेगी ।
	(2)	प्रवर्ग I और II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि या ऐसी निधियों द्वारा आरंभ की गयी स्कीमों की न्यूनतम तीन वर्षों की अवधि होगी ।
	(3)	प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि असीमित अवधि वाली या सीमित अवधि वाली हो सकेगी ।
	(4)	सीमित अवधि वाली आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की अवधि को दो वर्षों तक बढ़ाये जाने की अनुज्ञा दी जा सकेगी, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में यूनिटधारकों के विनिधान (निवेश) के मूल्य के अनुसार

		दो-तिहाई यूनिटधारकों के अनुमोदन के अध्यधीन ।
	(5)	यूनिटधारकों की सहमति के अभाव में, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि, निधि की अवधि या बढ़ायी गयी अवधि के समाप्त होने के बाद एक वर्ष के भीतर पूर्णतया समापन कर देगी ।
सूचीबद्धता (लिस्टिंग)		
14.	(1)	सीमित अवधि वाली आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की यूनिटें स्टॉक एक्सचेंज में, एक करोड़ रुपये के न्यूनतम व्यापारयोग्य लॉट के अध्यधीन, सूचीबद्ध की जा सकेंगी ।
	(2)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि यूनिटों की सूचीबद्धता केवल निधि या स्कीम की अंतिम समाप्ति के पश्चात् ही अनुज्ञात होगी ।
साधारण विनिधान (निवेश) शर्तें		
15.	(1)	सभी प्रवर्गों की आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों द्वारा विनिधान (निवेश) निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन होंगे :-
	(क)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि भारत के बाहर निगमित कंपनियों की प्रतिभूतियों में विनिधान (निवेश) ऐसी शर्तों या मार्गदर्शक सिद्धांतों के अध्यधीन कर सकेगी जो भारतीय रिज़र्व बैंक और बोर्ड द्वारा समय-समय पर नियत या जारी किये जायें ;
	(ख)	प्रबंधक या प्रायोजक द्वारा इन्वेस्टी कंपनी में सह-निवेश उन निबंधनों से अधिक अनुकूल निबंधनों पर नहीं होगा जो आनुकल्पिक विनिधान

		(निवेश) निधि को प्रस्तावित हों ;
	(ग)	प्रवर्ग I और II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ एक इन्वेस्टी कंपनी में कार्पस के 25% से अधिक विनिधान (निवेश) नहीं करेंगी ;
	(घ)	प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ एक इन्वेस्टी कंपनी कार्पस के 10% से अधिक विनिधान (निवेश) नहीं करेंगी ;
	(ङ)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि सहयुक्तों में विनिधान (निवेश), आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के विनिधान के मूल्य के अनुसार 75% विनिधानकर्ताओं के अनुमोदन के बिना, नहीं करेंगी ;
	(च)	कार्पस के अविनिहित (अनिवेशित) भाग का विनिधान (निवेश) अर्थसुलभ पारस्परिक निधियों (म्यूचुअल फंडों) या बैंक जमाओं या उच्चतर गुण (क्वालिटी) वाली अन्य अर्थसुलभ आस्तियों जैसे कि खजाना हुंडियों, सीबीएलओ, वाणिज्यिक-पत्रों, जमा-प्रमाणपत्रों, आदि में तब तक किया जा सकेगा, जब तक विनिधान उद्देश्य के अनुसार निधियाँ लगा नहीं दी जाती ;
	(छ)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के विनियम 106ढ के उप-विनियम (1) के खंड (ख) में यथा विनिर्दिष्ट नामनिर्दिष्ट विनिधानकर्ता (निवेशक) के रूप में कार्य कर सकेगी ।
	(2)	उप-विनियम (1) में यथा विनिर्दिष्ट शर्तों के होते हुए भी, बोर्ड आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों के लिए या उनके किसी

		विनिर्दिष्ट प्रवर्ग के लिए अतिरिक्त अपेक्षाएँ या मानदंड विनिर्दिष्ट कर सकेगा ।
प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों के लिए शर्तें		
16.	(1)	निम्नलिखित विनिधान (निवेश) शर्तें सभी प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों के लिए लागू होंगी :-
	(क)	प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि इन्वेस्टी कंपनियों में या जोखिम पूँजी उपक्रम में या विशेष प्रयोजन माध्यमों में या सीमित दायित्व भागीदारियों में या अन्य आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों की यूनिटों में विनिधान (निवेश) करेगी जैसा इन विनियमों में विनिर्दिष्ट है ;
	(ख)	प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों की निधि उसी उप-प्रवर्ग की प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों की यूनिटों में विनिधान कर सकेगी ;
		परंतु यह कि वे केवल ऐसी यूनिटों में विनिधान करेंगी और अन्य निधियों की निधि की यूनिटों में विनिधान नहीं करेंगी । परंतु यह और कि विनियम 16 के उप-विनियम (2), (3), (4) या (5) में यथा विनिर्दिष्ट विनिधान (निवेश) शर्तें ऐसी निधियों द्वारा किये गये विनिधानों (निवेशों) के प्रति लागू नहीं होंगी ।
	(ग)	प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः निधियाँ उधार नहीं लेंगी और लीवरेज में नहीं लगेगी, सिवाय तीस दिनों से अनधिक हेतु अस्थायी निधीयन अपेक्षाओं को पूरा करने के, एक वर्ष

		में चार बार से अधिक नहीं और कार्पस के दस प्रतिशत से अधिक नहीं ।
	(2)	निम्नलिखित विनिधान शर्तें विनियम 16 के उप-विनियम (1) में अधिकथित शर्तों के अतिरिक्त जोखिम पूँजी निधियों पर लागू होंगी :-
	(क)	कम से कम दो-तिहाई कार्पस का विनिधान (निवेश) जोखिम पूँजी उपक्रम के असूचीगत इक्विटी शेयरों या इक्विटी संबद्ध लिखतों में अथवा एसएमई एक्सचेंज या एक्सचेंज के एसएमई खंड में सूचीबद्ध या सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित कंपनियों में किया जायेगा ;
	(ख)	एक-तिहाई से अनधिक कार्पस का विनिधान (निवेश) :
	i.	जोखिम पूँजी उपक्रम जिसके शेयर सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित हैं के आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव में अभिदान में किया जायेगा
	ii.	जोखिम पूँजी उपक्रम जिसमें निधि ने पहले ही से भागीदारी हित हेतु इक्विटी या अंशदान के तौर पर विनिधान (निवेश) किया हुआ हो के ऋण (डैट) या ऋण लिखत (डैट इंस्ट्रुमेंट) में किया जायेगा ;
	iii.	एक वर्ष की अवरोद्धता (लॉक इन) अवधि के अध्यक्षीन सूचीबद्ध कंपनी के इक्विटी शेयरों या इक्विटी संबद्ध लिखतों के अधिमानी आबंटन, जिसमें अर्हित संस्था नियोजन के माध्यम से सम्मिलित है, में किया जायेगा ;
	iv.	वित्तीय रूप से कमजोर कंपनी या रुग्ण औद्योगिक कंपनी जिसके शेयर सूचीबद्ध हैं के इक्विटी शेयरों या इक्विटी संबद्ध लिखतों में किया जायेगा।

		स्पष्टीकरण :- इन विनियमों के प्रयोजन के लिए, "वित्तीय रूप से कमजोर कंपनी" से वह कंपनी अभिप्रेत है, जिसे पिछले वित्तीय वर्ष के अंत में हानियाँ हुई हैं, जिसके परिणामस्वरूप पिछले वित्तीय वर्ष की शुरुआत में इसकी शुद्ध-मालियत (नेटवर्थ) के 50% से अधिक की किन्तु 100% से कम की गिरावट आयी हो ।
	v.	विशेष प्रयोजन माध्यमों, जो इन विनियमों के अनुसार विनिधान (निवेश) को सुकर बनाने या प्रोन्नत करने के प्रयोजनार्थ निधि द्वारा सृजित की गयी हों, में किया जायेगा ।
		परंतु यह कि विनियम 16 के उप-विनियम (2) के खंड (क) तथा खंड (ख) में नियत विनिधान शर्तों और निर्बंधनों को निधि द्वारा इसके जीवन चक्र के अंत तक पूरा किया जायेगा ।
	(ग)	ऐसी निधियाँ भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के अध्याय Xख के अधीन निर्गम के उस भाग में जो अभिदत्त न हुआ हो में अभिदान करने के लिए अथवा बाजार निर्माण की प्रक्रिया में प्रतिभूतियाँ प्राप्त करने या सुपुर्द करने के लिए मर्चेन्ट बैंककार के साथ करार कर सकेंगी और विनियम 16 के उप-विनियम (2) के खंड (क) तथा खंड (ख) के उपबंध ऐसे अभिदान या बाजार निर्माण के अनुसरण में प्रतिभूतियों के अर्जन या विक्रय के मामले में लागू नहीं होंगे ।
	(घ)	ऐसी निधियों को एसएमई एक्सचेंज या एक्सचेंज के एसएमई खंड में सूचीबद्ध कंपनियों में विनिधान की बाबत, ऐसी कंपनियों की सम्यक् तत्परता के अनुसरण में, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 1992 के विनियम 3 तथा 3क से छूट होगी,

		निम्नलिखित शर्तों के अध्याधीन :
	(i)	निधि ऐसी सम्यक् तत्परता के अनुसरण में किसी अर्जन या प्रतिभूतियों में व्यौहार (लेनदेन) को, ऐसे अर्जन या व्यौहार (लेनदेन) के दो कार्य दिवसों के भीतर, उन स्टॉक एक्सचेंजों को प्रकट करेगी जहाँ इन्वेस्टी कंपनी सूचीबद्ध है ;
	(ii)	ऐसा विनिधान (निवेश), विनिधान की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जायेगा ।
	(3)	निम्नलिखित शर्तें विनियम 16 के उप-विनियम (1) में अधिकथित शर्तों के अतिरिक्त एसएमई निधियों पर लागू होंगी:-
	(क)	कम से कम 75% कार्पस का विनिधान (निवेश) जोखिम पूँजी उपक्रम या इन्वेस्टी कंपनियों जो एसएमई हैं की असूचीगत प्रतिभूतियों या भागीदारी हित में अथवा एसएमई एक्सचेंज या एक्सचेंज के एसएमई खंड में सूचीबद्ध या सूचीबद्ध किये जाने के लिए प्रस्तावित कंपनियों में किया जायेगा ;
	(ख)	ऐसी निधियाँ भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के अध्याय Xख के अधीन निर्गम के उस भाग में जो अभिदत्त न हुआ हो में अभिदान करने के लिए अथवा बाजार निर्माण की प्रक्रिया में प्रतिभूतियाँ प्राप्त करने या सुपुर्द करने के लिए मर्चेन्ट बैंककार के साथ करार कर सकेंगी ;
	(ग)	ऐसी निधियों को एसएमई एक्सचेंज या एक्सचेंज के एसएमई खंड में सूचीबद्ध कंपनियों में विनिधान की बाबत, ऐसी कंपनियों की सम्यक्

		तत्परता के अनुसरण में, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 1992 के विनियम 3 तथा 3क से छूट होगी, निम्नलिखित शर्तों के अधीन :
	(i)	निधि ऐसी सम्यक् तत्परता के अनुसरण में किसी अर्जन या प्रतिभूतियों में व्यौहार (लेनदेन) को, ऐसे अर्जन या व्यौहार (लेनदेन) के दो कार्य दिवसों के भीतर, उन स्टॉक एक्सचेंजों को प्रकट करेगी जहाँ इन्वेस्टी कंपनी सूचीबद्ध है ;
	(ii)	ऐसा विनिधान (निवेश), विनिधान की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जायेगा ।
	(4)	निम्नलिखित शर्तें विनियम 16 के उप-विनियम (1) में अधिकथित शर्तों के अतिरिक्त सामाजिक उद्यम निधियों पर लागू होंगी :-
	(क)	कम से कम 75% कार्पस का विनिधान (निवेश) सामाजिक उद्यमों की असूचीगत प्रतिभूतियों या भागीदारी हित में किया जायेगा ।
	(ख)	ऐसी निधियाँ अनुदान स्वीकार कर सकेंगी, परंतु यह कि ऐसे अनुदानों का ऐसा उपयोग खंड (क) तक निर्बंधित होगा ।
	(ग)	ऐसी निधियाँ सामाजिक उद्यमों को अनुदान दे सकेंगी, परंतु यह कि समुचित प्रकटीकरण स्थानन ज्ञापन में किया जाये ।
	(घ)	ऐसी निधियाँ अपने विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) से कम प्रतिलाभ स्वीकार कर सकेंगी, अर्थात् वे अपने विनिधानों (निवेशों) पर प्रतिलाभ स्वीकार कर सकेंगे जो वैसे ही विनिधानों के प्रचलित प्रतिलाभों से निम्नतर हों ।

	(5)	निम्नलिखित शर्तें विनियम 16 के उप-विनियम (1) में अधिकथित शर्तों के अतिरिक्त अवसंरचना निधियों पर लागू होंगी :-
	(क)	कम से कम 75% कार्पस का विनिधान (निवेश) जोखिम पूँजी उपक्रम या इन्वेस्टी कंपनियों या विशेष प्रयोजन माध्यमों, जो अवसंरचना परियोजनाओं में प्रचालन, का विकास करने या को धारण करने में लगे हैं या के प्रयोजनार्थ बने हैं, की असूचीगत प्रतिभूतियों या भागीदारी हित में किया जायेगा ;
	(ख)	खंड (क) के होते हुए भी, ऐसी निधियाँ इन्वेस्टी कंपनियों या विशेष प्रयोजन माध्यमों, जो अवसंरचना परियोजनाओं में प्रचालन, का विकास करने या को धारण करने में लगे हैं या के प्रयोजनार्थ बने हैं, की सूचीबद्ध प्रतिभूत ऋण लिखतों या सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों में भी विनिधान कर सकेंगी ।
प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के लिए शर्तें		
17.		निम्नलिखित विनिधान (निवेश) शर्तें प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों के लिए लागू होंगी :-
	(क)	प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ प्राथमिक रूप से असूचीगत इन्वेस्टी कंपनियों में या अन्य आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों की यूनितों में विनिधान (निवेश) करेंगी जैसा स्थानन ज्ञापन में विनिर्दिष्ट किया जाये ;

	(ख)	प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों की निधि प्रवर्ग I या प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों की यूनिटों में विनिधान कर सकेगी ; परंतु यह कि वे केवल ऐसी यूनिटों में विनिधान करेंगी और अन्य निधियों की निधि की यूनिटों में विनिधान नहीं करेंगी ।
	(ग)	प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः निधियाँ उधार नहीं ले सकेंगी और लीवरेज में नहीं लगेंगी, सिवाय तीस दिनों से अनधिक हेतु अस्थायी निधीयन अपेक्षाओं को पूरा करने के, एक वर्ष में चार बार से अधिक नहीं और कार्पस के दस प्रतिशत से अधिक नहीं ;
	(घ)	खंड (ग) के होते हुए भी, प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ हैजिंग में लग सकेंगी, बोर्ड द्वारा समय-समय पर यथा विनिर्दिष्ट मार्गदर्शक सिद्धांतों के अधीन ;
	(ङ)	प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 के अध्याय XX के अधीन निर्गम के उस भाग में जो अभिदत्त न हुआ हो अभिदान करने के लिए अथवा बाजार निर्माण की प्रक्रिया में प्रतिभूतियाँ प्राप्त करने या सुपुर्द करने के लिए मर्चेन्ट बैंककार के साथ करार कर सकेंगी ।
	(च)	प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों को एसएमई एक्सचेंज या एक्सचेंज के एसएमई खंड में सूचीबद्ध कंपनियों में विनिधान की बाबत, ऐसी कंपनियों की सम्यक् तत्परता के अनुसरण में, भारतीय प्रतिभूति

		और विनियम बोर्ड (अंतरंग व्यापार का प्रतिषेध) विनियम, 1992 के विनियम 3 तथा 3क से छूट होगी, निम्नलिखित शर्तों के अधीन :
	(i)	निधि ऐसी सम्यक् तत्परता के अनुसरण में किसी अर्जन या प्रतिभूतियों में व्यौहार (लेनदेन) को, ऐसे अर्जन या व्यौहार (लेनदेन) के दो कार्य दिवसों के भीतर, उन स्टॉक एक्सचेंजों को प्रकट करेगी जहाँ इन्वेस्टी कंपनी सूचीबद्ध है ;
	(ii)	ऐसा विनिधान (निवेश), विनिधान की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जायेगा ।
प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के लिए शर्तें		
18.		निम्नलिखित विनिधान (निवेश) शर्तें प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों के लिए लागू होंगी :-
	(क)	प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ सूचीबद्ध या असूचीगत इन्वेस्टी कंपनियों की प्रतिभूतियों अथवा व्युत्पन्नी या जटिल या संरचित उत्पादों में विनिधान (निवेश) कर सकेंगी ;
	(ख)	प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों की निधि प्रवर्ग I या प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों की यूनिटों में विनिधान कर सकेगी ;
		परंतु यह कि वे केवल ऐसी यूनिटों में विनिधान करेंगी और अन्य निधियों की निधि की यूनिटों में विनिधान नहीं करेंगी ।

	(ग)	प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ लीवरेज में लग सकेंगी या उधार ले सकेंगी, निधि के विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) से सहमति के अध्यक्षीन और अधिकतम सीमा के अध्यक्षीन, जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाये :
		परंतु यह कि ऐसी निधियाँ लगाये गये लीवरेज के समग्र स्तर, नकदी के उधार से उद्भूत लीवरेज के स्तर, व्युत्पन्नियों में या किसी जटिल उत्पाद में धारित स्थिति से उद्भूत लीवरेज के स्तर और उनकी निधि में लीवरेज के मुख्य - गत से संबंधित जानकारी विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को और बोर्ड को सामयिक रूप से प्रकट करेंगी, जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाये ।
	(घ)	प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ प्रचालन-संबंधी मानकों, कारबार संचालन नियमों, व्यवहार कुशल अपेक्षाओं, मोचन संबंधी निर्बंधनों और हित विरोध जैसे क्षेत्रों के संबंध में निदेश जारी करके विनियमित होंगी जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाये ।
अन्य आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि		
19.		बोर्ड इन विनियमों में विनिर्दिष्ट प्रवर्गों में आने वाली निधियों से भिन्न आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों के लिए ढाँचा अधिकथित कर सकेगा ।

अध्याय - IV

साधारण बाध्यताएँ तथा जिम्मेदारियाँ और पारदर्शिता

साधारण बाध्यताएँ		
20.	(1)	सभी आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ नीतियों तथा प्रक्रियाओं, और उनके कार्यान्वयन की, नियमित आधार पर, या कारबार विकास के परिणामस्वरूप, समीक्षा करेंगी, उनकी निरंतर उपयुक्तता को सुनिश्चित करने के लिए ।
	(2)	यदि आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का कार्पस पाँच सौ करोड़ रुपये से अधिक हो, तो आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का प्रायोजक या प्रबंधक प्रतिभूतियों को सुरक्षा में रखने के लिए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत अभिरक्षक को नियुक्त करेगा : परंतु यह कि प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का प्रायोजक या प्रबंधक ऐसा अभिरक्षक नियुक्त करेगा, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के कार्पस के आकार का विचार किये बिना ।
	(3)	सभी आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ प्रायोजक, प्रबंधक या अभिहित भागीदारों में हुए किसी परिवर्तन या किसी अन्य तात्त्विक परिवर्तन के मामले में बोर्ड को सूचित करेंगी, जो रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के समय आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि द्वारा उपलब्ध करायी गयी जानकारी से हुए हों ।

	(4)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि, प्रायोजक या प्रबंधक के नियंत्रण में परिवर्तन के मामले में, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि द्वारा बोर्ड से पूर्व अनुमोदन लिया जायेगा ।
	(5)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की लेखा बहियों की लेखापरीक्षा अर्हित लेखापरीक्षक द्वारा प्रतिवर्ष की जायेगी ।

हित विरोध

21.	(1)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का प्रायोजक तथा प्रबंधक इसके विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के प्रति वैश्वासिक हैसियत में कार्य करेगा और विनिधानकर्ताओं को, सभी हित विरोध जब कभी वे उत्पन्न हों या उनके उत्पन्न होने की संभावना हो, प्रकट करेगा ।
	(2)	प्रबंधक कारबार की समस्त परिधि में हित विरोध को पहचानने, का अनुश्रवण करने और को समुचित रूप से कम करने लिए लिखित नीतियों तथा प्रक्रियाओं को नियत करेगा और उन्हें कार्यान्वित करेगा ।
	(3)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के प्रबंधक और प्रायोजक सहयुक्त व्यक्तियों के साथ हित विरोध से बचने संबंधी उच्च स्तरीय सिद्धांतों का पालन करेगा, जैसा बोर्ड द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाये ।

पारदर्शिता

22.	सभी आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ निम्नलिखित के संबंध में पारदर्शिता और विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को जानकारी का प्रकटीकरण सुनिश्चित करेंगी :
-----	--

	(क)	वित्तीय, जोखिम प्रबंधन, प्रचालन, संविभाग (पोर्टफोलियो), तथा निधि विनिधानों (निवेशों) से संबंधित संव्यवहार-संबंधी जानकारी विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को सामयिक रूप से प्रकट की जायेगी ;
	(ख)	प्रबंधक या प्रायोजक के लिए लगायी गयी कोई फीस ; और आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि या किसी इन्वेस्टी कंपनी के लिए प्रबंधक या प्रायोजक के सहयुक्त द्वारा प्रभारित कोई फीस विनिधानकर्ताओं को सामयिक रूप से प्रकट की जायेगी ;
	(ग)	किसी देश में विधिक या विनियामक निकायों द्वारा कोई जांच / विधिक कार्रवाईयाँ, जब कभी घटित हों ;
	(घ)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की अवधि के दौरान उद्भूत किसी तात्त्विक दायित्व को प्रकट किया जायेगा, जब कभी घटित हो ;
	(ङ)	स्थानन झापन या विनिधानकर्ता (निवेशक) के साथ किये गये करार या किन्हीं अन्य निधि दस्तावेजों के उपबंधों का कोई भंग, यदि कोई हो, जब कभी घटित हो ;
	(च)	प्रायोजक या प्रबंधक या इन्वेस्टी कंपनी के नियंत्रण में परिवर्तन।
	(छ)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि कम से कम वार्षिक आधार पर, वर्ष की समाप्ति से 180 दिनों के भीतर, विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को रिपोर्टें उपलब्ध करायेगी जिनमें निम्नलिखित जानकारी सम्मिलित है, जो आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के लिए लागू हो :-
	क	इन्वेस्टी कंपनियों की वित्तीय जानकारी ।

	ख.	तात्त्विक जोखिम और उनका प्रबंधन कैसे किया जाता है जिनमें निम्नलिखित सम्मिलित हो सकेंगे :
	(i)	निधि स्तर पर संकेंद्रण जोखिम ;
	(ii)	निधि स्तर पर विदेशी मुद्रा जोखिम ;
	(iii)	निधि और इन्वेस्टी कंपनी स्तरों पर लीवरेज जोखिम ;
	(iv)	निधि और इन्वेस्टी कंपनी स्तरों पर वसूली जोखिम (अर्थात् निकास परिस्थिति में परिवर्तन) ;
	(v)	इन्वेस्टी कंपनी स्तर पर युक्ति जोखिम (अर्थात् कारबार युक्ति में परिवर्तन या से विचलन) ;
	(vi)	इन्वेस्टी कंपनी स्तर पर ख्याति जोखिम ;
	(vii)	निधि और इन्वेस्टी कंपनी स्तर पर वित्त-संबंधी जोखिमों से भिन्न जोखिम, जिनमें परिस्थितिक, सामाजिक तथा कंपनी शासन जोखिम सम्मिलित हैं ।
	(ज)	प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि तिमाही की समाप्ति के 60 दिनों के भीतर उपरोक्त खंड (छ) की बाबत विनिधानकताओं (निवेशकों) को तिमाही रिपोर्ट उपलब्ध करायेगी ;
	(झ)	मुख्य विनिधान (निवेश) दल में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन की सूचना सभी

		विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को दी जायेगी ;
	(अ)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ, जब बोर्ड द्वारा अपेक्षित हो, प्रणालीगत जोखिम प्रयोजनों (जिनमें प्रणालीगत जोखिमों को पहचानना, का विश्लेषण करना तथा को कम करना सम्मिलित है) के लिए जानकारी उपलब्ध करायेगी ।
मूल्यांकन		
23.	(1)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि अपने विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को, अपनी मूल्यांकन प्रक्रिया का और आस्तियों को मूल्यांकित करने की कार्य-पद्धति का विवरण देगी ।
	(2)	प्रवर्ग I तथा प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ, अपने विनिधान (निवेश) का मूल्यांकन करायेगी, कम से कम प्रत्येक छह महीनों में एक बार, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि द्वारा नियुक्त स्वतंत्र मूल्यांकक के द्वारा ।
		परंतु यह कि ऐसी अवधि, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के विनिधान (निवेश) के मूल्य के अनुसार कम से कम पचहत्तर प्रतिशत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के अनुमोदन पर एक वर्ष तक बढ़ायी जा सकेगी ।
	(3)	प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ यह सुनिश्चित करेंगी कि शुद्ध आस्ति मूल्य (एन.ए.वी.) की गणना आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के निधि प्रबंधन कृत्य से स्वतंत्र है और ऐसा शुद्ध आस्ति मूल्य (एन.ए.वी.) विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को सीमित अवधि वाली निधियों

		के लिए एक तिमाही से अनधिक के अंतरालों पर और असीमित अवधि वाली निधियों के लिए एक महीने से अनधिक के अंतरालों पर प्रकट किया जायेगा ।
प्रबंधक की बाध्यता		
24.	प्रबंधक :	
	(क)	सभी विनिधानकर्ता (निवेशक) शिकायतों को दूर करने ;
	(ख)	बोर्ड द्वारा मांगी गयी कोई जानकारी बोर्ड को उपलब्ध कराने ;
	(ग)	सभी अभिलेख रखने, जैसा बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाये, ;
	(घ)	हित विरोध को दूर करने के सभी कदम उठाने, जैसा इन विनियमों में विनिर्दिष्ट है, ;
	(ङ)	पारदर्शिता और प्रकटीकरण को सुनिश्चित करने, जैसा इन विनियमों में विनिर्दिष्ट है, के लिए बाध्य होगा ।
विवाद का निपटारा		
25.	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि, स्वयं द्वारा अथवा प्रबंधक या प्रायोजक के माध्यम से, विनिधानकर्ताओं (निवेशकों), आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि, प्रबंधक या प्रायोजक के बीच माध्यस्थम् या विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) और	

		आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के बीच पारस्पर विनिश्चित किसी ऐसी व्यवस्था के माध्यम से विवादों के निपटारे की प्रक्रिया अधिकथित करेगी ।
जानकारी मंगाने की शक्ति		
26.	(1)	बोर्ड किसी भी समय आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि या इसके प्रबंधक या प्रायोजक या न्यासी या विनिधानकर्ता (निवेशक) से आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में इसके क्रियाकलाप से संबंधित किसी मामले की बाबत अथवा प्रणालीगत जोखिम के आकलन या कपट को रोकने के लिए कोई जानकारी मंगा सकेगा ।
	(2)	जहाँ कोई जानकारी उप-विनियम (1) के अधीन मंगायी जाती है, तो वहाँ यह बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट समय के भीतर दी जायेगी ।
अभिलेख रखना		
27.	(1)	प्रबंधक या प्रायोजक से निम्नलिखित अभिलेख रखना अपेक्षित है, जिनमें
	(क)	स्कीम / निधि के अधीन आस्तियों ;
	(ख)	मूल्यांकन नीतियों तथा पद्धतियों ;
	(ग)	विनिधान (निवेश) युक्तियों ;
	(घ)	विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) और उनके अंशदान की विशिष्टियों;

	(ड)	किये गये विनिधानों (निवेशों) के औचित्य का विवरण हो ।
	(2)	उप-विनियम (1) के अधीन अभिलेख, निधि के परिसमापन के पश्चात् पाँच वर्षों की अवधि के लिए रखे जायेंगे ।
बोर्ड को रिपोर्टें प्रस्तुत करना		
28.		बोर्ड किसी भी समय आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि से ऐसी रिपोर्टें दाखिल करने की अपेक्षा कर सकेगा, जैसा बोर्ड चाहे, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि द्वारा किये जा रहे क्रियाकलापों की बाबत ।
परिसमापन		
29.	(1)	न्यास के रूप में गठित आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का परिसमापन किया जायेगा :
	(क)	जब आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि या आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि द्वारा आरंभ की गयी सभी स्कीमों की अवधि, जैसी स्थानन ज्ञापन में उल्लिखित है, समाप्त हो जाती है ; या
	(ख)	यदि, यथास्थिति, न्यासियों या न्यासी कंपनी की यह राय हो कि यूनिटों के विनिधानकर्ताओं (निवेशको) के हित में आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का परिसमापन किया जाये ; या

	(ग)	यदि आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के विनिधान (निवेश) के मूल्य के अनुसार पचहत्तर प्रतिशत विनिधानकर्ता (निवेशक) यूनिटधारकों की बैठक में यह संकल्प परित करते हैं कि आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का परिसमापन कर दिया जाये; या
	(घ)	यदि बोर्ड विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में ऐसा निर्देश देता है ।
	(2)	सीमित दायित्व भागीदारी के रूप में स्थापित आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का परिसमापन सीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम, 2008 के उपबंधों के अनुसार किया जायेगा :
	(क)	जब आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि या आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि द्वारा आरंभ की गयी सभी स्कीमों की अवधि, जैसी स्थानन ज्ञापन में उल्लिखित है, समाप्त हो जाती है; या
	(ख)	यदि आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के विनिधान (निवेश) के मूल्य के अनुसार पचहत्तर प्रतिशत विनिधानकर्ता (निवेशक) यूनिटधारकों की बैठक में यह संकल्प परित करते हैं कि आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का परिसमापन कर दिया जाये; या
	(ग)	यदि बोर्ड विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में ऐसा निर्देश देता है ।
	(3)	कंपनी के रूप में स्थापित आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का परिसमापन कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के उपबंधों के अनुसार किया जायेगा ।
	(4)	निगमित निकाय के रूप में स्थापित आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि

		का परिसमापन उस कानून के उपबंधों के अनुसार किया जायेगा जिसके अधीन यह गठित है ।
	(5)	यथास्थिति, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के न्यासी या न्यासी कंपनी या निदेशक बोर्ड या अभिहित भागीदार बोर्ड और विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि को परिसमापन की ओर ले जाने वाली परिस्थितियों से अवगत करायेंगे ।
	(6)	विनियम 29 के उप-विनियम (5) के अधीन सूचना की तारीख से ही, कोई अतिरिक्त विनिधान (निवेश) इस प्रकार परिसमाप्त आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की ओर से नहीं किये जायेंगे ।
	(7)	विनियम 29 के उप-विनियम (5) के अधीन सूचना की तारीख से एक वर्ष के भीतर, आस्तियों का समापन किया जायेगा, और आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) को प्रोद्भूत आगम सभी दायित्व चुकाने के पश्चात् उनमें वितरित की जायेंगी ।
	(8)	उप-विनियम (7) में दी हुई किसी बात के होते हुए और यथास्थिति स्थानन ज्ञापन या अंशदान करार या अभिदान करार में अंतर्विष्ट शर्तों, यदि कोई हों, के अधीन, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की आस्तियों का नकद रूप में वितरण, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि द्वारा किसी भी समय किया जायेगा, जिसमें आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के परिसमापन पर भी सम्मिलित है, विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के अधिमान के अनुसार, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि में विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के विनिधान (निवेश) के मूल्य के अनुसार कम से कम 75% प्रतिशत विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) का अनुमोदन अभिप्राप्त करने के पश्चात् ।

	(9)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का परिसमापन हो जाने पर, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र बोर्ड को अभ्यार्पित किया जायेगा ।
--	-----	--

अध्याय - V

निरीक्षण

निरीक्षण करने का बोर्ड का अधिकार		
30.		बोर्ड स्वप्रेरणा से या जानकारी अथवा शिकायत की प्राप्ति पर निम्नलिखित कारणों में से किसी कारण के लिए आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि से संबंधित लेखा बहियों, अभिलेखों और दस्तावेजों का निरीक्षण करने के लिए निरीक्षण प्राधिकारी के रूप में एक या अधिक व्यक्तियों को नियुक्त कर सकेगा :-
	(क)	यह सुनिश्चित करना कि लेखा बहियाँ, अभिलेख और दस्तावेज आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि द्वारा इन विनियमों में विनिर्दिष्ट रीति से बनाये रखे जा रहे हैं ;
	(ख)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के क्रियाकलापों से संबंधित किसी विषय पर विनिधानकर्ताओं (निवेशकों), ग्राहकों या किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त शिकायतों का निरीक्षण करना ;
	(ग)	यह अभिनिश्चित करना कि क्या अधिनियम और इन विनियमों के उपबंधों

		का आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि द्वारा अनुपालन किया जा रहा है;
	(घ)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के कामकाज का, प्रतिभूति बाजार के हित में या विनिधानकर्ताओं के हित में, स्वप्रेरणा से निरीक्षण करना ।
निरीक्षण के पूर्व सूचना (नोटिस)		
31.	(1)	विनियम 30 के अधीन निरीक्षण का आदेश देने से पूर्व, बोर्ड आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि को कम से कम पस दिलों की सूचना (या नोटिस) देगा ।
	(2)	उप-विनियम (1) में दी हुई किसी बात के होते हुए भी जहाँ बोर्ड का यह समाधान हो जाता है कि विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) के हित में कोई ऐसी सूचना नहीं दी जानी चाहिए, वहाँ यह लिखित आदेश द्वारा यह निदेश दे सकेगा कि आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के कामकाज का निरीक्षण ऐसी सूचना के बिना किया जाये ।
	(3)	निरीक्षण के दौरान, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि जिसके खिलाफ निरीक्षण किया जा रहा है विनियम 32 में यथा उपबंधित इसकी बाध्यताओं का निर्वहन करने के लिए आबद्ध होगी ।
निरीक्षण के संबंध में आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की बाध्यताएँ		
32.	(1)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि जिसकी बाबत विनियम 30 के अधीन निरीक्षण का आदेश दिया गया है के प्रत्येक अधिकारी और किसी अन्य सहयुक्त व्यक्ति जिसके कब्जे में ऐसी आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के संचालन और कार्यकलापों से संबंधित सुसंगत जानकारी है

		जिसके अंतर्गत निधि प्रबंधक, यदि कोई हो, है का कर्तव्य निरीक्षण प्राधिकारी को उसकी अभिरक्षा या नियंत्रण में रखी ऐसी बहियाँ, लेखे और अन्य दस्तावेज पेश करना और उसे ऐसे विवरण और जानकारी देना होगा जैसी उक्त प्राधिकारी निरीक्षण के प्रयोजनों के लिए अपेक्षा करे ।
	(2)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के प्रत्येक अधिकारी और किसी अन्य सहयुक्त व्यक्ति जिसके कब्जे में आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के संचालन और कार्यकलापों से संबंधित सुसंगत जानकारी है जिसके अंतर्गत निधि प्रबंधक, यदि कोई हो, है का कर्तव्य निरीक्षण प्राधिकारी को ऐसी समस्त सहायता देना होगा और ऐसा समस्त सहयोग देगा जैसा निरीक्षण के संबंध में अपेक्षित किया जाये और ऐसी जानकारी देगा जैसी निरीक्षण के संबंध में निरीक्षण प्राधिकारी द्वारा मांगी जाये ।
	(3)	निरीक्षण प्राधिकारी के पास, निरीक्षण के प्रयोजनों के लिए, किन्हीं कर्मचारियों, निदेशकों, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के क्रियाकलापों के लिए जिम्मेदार या से संबंधित किसी व्यक्ति या ऐसी आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि से संबंधित सुसंगत जानकारी रखने वाले किसी अन्य सहयुक्त व्यक्ति की शपथ पर परीक्षा करने और के कथन अभिलिखित करने की शक्ति होगी ।
	(4)	निरीक्षण प्राधिकारी के पास, निरीक्षण के प्रयोजनों के लिए, आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के दस्तावेजों, बहियों, लेखों की अधिप्रमाणित प्रतियाँ अभिप्राप्त करने की शक्ति होगी, ऐसे दस्तावेजों, बहियों या लेखों को नियंत्रण या अभिरक्षा में रखने वाले किसी व्यक्ति से ।

बोर्ड को रिपोर्ट प्रस्तुत करना

33. निरीक्षण प्राधिकारी, यथासंभव शीघ्र, निरीक्षण के पूरा होने पर बोर्ड को निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा :

परंतु यह कि यदि बोर्ड द्वारा ऐसा करने का निदेश दिया गया हो, तो वह अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर सकेगा ।

आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि को निष्कर्षों, आदि की संसूचना

34. बोर्ड निरीक्षण रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि या इसके न्यासियों, निदेशकों या प्रबंधक को सुनवाई का उचित अवसर देने के पश्चात् ऐसा निदेश जारी कर सकेगा जैसा यह प्रतिभूति बाजार या विनिधानकर्ताओं के हित में ठीक समझे जिसमें निम्नलिखित स्वरूप के निदेश सम्मिलित हैं :-

(क) आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि से विशिष्ट कालावधि के लिए नयी स्कीमों चालू न करने या विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) से धन न जुटाने की अपेक्षा करते हुए ;

(ख) संबद्ध व्यक्ति को इन विनियमों के अतिक्रमण में अर्जित निधि या स्कीम की संपत्तियों में से किसी संपत्ति का व्ययन करने से प्रतिषिद्ध करते हुए ;

(ग) संबद्ध व्यक्ति से उस रीति में निधि या स्कीम की आस्तियों का व्ययन करने की अपेक्षा करते हुए जैसी निदेशों में विनिर्दिष्ट की जाये ;

	(घ)	संबद्ध व्यक्ति से स्कीम के अधीन संग्रहित किसी धन या किन्हीं आस्तियों का प्रतिदाय (रिफंड) संबंधित विनिधानकर्ताओं को, अपेक्षित ब्याज या अन्यथा के साथ, करने की अपेक्षा करते हुए ;
	(ङ)	संबद्ध व्यक्ति को विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए पूँजी बाजार में प्रचालन करने से या पूँजी बाजार में पहुँच रखने से प्रतिषिद्ध करते हुए ।

अध्याय - VI

चूक की दशा में कार्रवाई के लिए प्रक्रिया

चूक (व्यतिक्रम) की दशा में कार्रवाई के लिए दायित्व		
35.	(1)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि जो -
	(क)	अधिनियम या इन विनियमों के उपबंधों में से किसी उपबंध का उल्लंघन करती है ;
	(ख)	आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में अपने क्रियाकलाप से संबंधित कोई जानकारी, बोर्ड द्वारा यथा अपेक्षित, देने में असफल रहती है ;
	(ग)	बोर्ड को जानकारी देती है जो किसी तात्त्विक विशिष्टि में मिथ्या या भ्रामक है ;

	(घ)	बोर्ड द्वारा यथा अपेक्षित कालिक विवरणियाँ या रिपोर्टें प्रस्तुत नहीं करती है ;
	(ङ)	बोर्ड द्वारा की गई किसी जांच, निरीक्षण या अन्वेषण में सहयोग नहीं देती है ;
	(च)	विनिधानकर्ताओं (निवेशकों) की शिकायतों का निवारण करने में असफल रहती है या इस निमित्त बोर्ड को समाधानप्रद उत्तर देने में असफल रहती है.
	पर भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 के अधीन उपबंधित रीति से कार्यवाही की जायेगी ।	
	(2)	उप-विनियम (1) विनियम 31 के अधीन निर्देशों के जारी होने या उपायों अथवा अधिनियम की धारा 11, 11ख, 11घ, धारा 12 की उप-धारा (3) या 24 या अध्याय VIक के या तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य विधि के प्रवर्तन के प्रतिकूल नहीं होगा ।

अध्याय - VII

विविध

स्पष्टीकरण जारी करने की बोर्ड की शक्ति

- | | |
|-----|---|
| 36. | इन विनियमों के लागू होने या निर्वचन में किन्हीं कठिनाइयों को दूर करने के लिए, बोर्ड परिपत्रों के रूप में स्पष्टीकरण और मार्गदर्शक सिद्धांत जारी कर सकेगा या आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों के प्रत्येक प्रवर्ग के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत या ढाँचा जारी कर सकेगा । |
|-----|---|

शक्तियों का प्रत्यायोजन

- | | |
|-----|--|
| 37. | इन विनियमों के अधीन बोर्ड द्वारा प्रयोग की जा सकने वाली शक्तियाँ बोर्ड के किसी उस अधिकारी द्वारा भी प्रयोग की जा सकेंगी जिसको ऐसी शक्तियाँ बोर्ड द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 19 के अधीन दिये गये आदेश के द्वारा प्रत्यायोजित की जाती हैं । |
|-----|--|

अन्य विनियमों में संशोधन

- | | |
|-----|---|
| 38. | इन विनियमों की तीसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट विनियम उस रीति में और उस विस्तार तक संशोधित हो जायेंगे, जैसा उसमें कथित है । |
|-----|---|

निरसन और व्यावृत्ति

- | | | |
|-----|-----|---|
| 39. | (1) | भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जोखिम पूँजी निधियाँ) विनियम, 1996 एतद्वारा निरसित हो जाते हैं । |
| | (2) | ऐसा निरसन होने पर भी : |
| | (क) | निरसित विनियमों के अधीन की गई किसी बात अथवा की गई किसी कार्रवाई या किये जाने के लिए तात्पर्यित किसी बात अथवा किसी कार्रवाई जिसमें रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का निलंबन या रद्दकरण सम्मिलित है, प्रारंभ की गई किसी जाँच अथवा अन्वेषण या जारी की गई कारण बताओ सूचना, के बारे में यह समझा जायेगा कि वे इन विनियमों के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन की गई हैं । |

	(ख)	इन विनियमों की अधिसूचना की तारीख से पूर्व सभी जोखिम पूँजी निधियों या ऐसी जोखिम पूँजी निधियों द्वारा आरंभ की गयी स्कीमों का विनियमन भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जोखिम पूँजी निधियाँ) विनियम, 1996 के उपबंधों द्वारा तब तक होता रहेगा, जब तक निधि या स्कीम का परिसमापन नहीं हो जाता ।
		परंतु यह कि ऐसी निधियाँ इन विनियमों की अधिसूचना के पश्चात् कोई नयी स्कीम आरंभ नहीं करेंगी ।
	(ग)	भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जोखिम पूँजी निधियाँ) विनियम, 1996 के अधीन बोर्ड को किये गये और इसके समक्ष लंबित किसी आवेदन के बारे में यह समझा जायेगा कि वह भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (आनुकूलिक विनिधान (निवेश) निधियाँ) विनियम, 2012 के तत्स्थानी उपबंधों के अधीन किया गया है ।
	(3)	भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जोखिम पूँजी निधियाँ) विनियम, 1996 के निरसन के पश्चात्, बोर्ड द्वारा बनाये गये किन्हीं अन्य विनियमों, तदधीन जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों या परिपत्रों में उसके प्रति किसी संदर्भ के बारे में यह समझा जायेगा कि वह इन विनियमों के तत्स्थानी उपबंधों के प्रति संदर्भ है ।

पहली अनुसूची - प्ररूप

प्ररूप क

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

{आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ} विनियम, 2012

विनियम 3 देखें

आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में
रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए आवेदन

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

सेबी भवन, सी4-ए, "जी" ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई 400051 - भारत

अनुदेश

1. यह प्ररूप आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किये जाने हेतु आवेदक द्वारा उपयोग करने के लिए है।
2. आवेदक को यह प्ररूप पूरा भरना चाहिए, और इसे बोर्ड को उसके मुंबई स्थित प्रधान कार्यालय में समस्त समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करना चाहिए।
3. यह आवेदन प्ररूप इन विनियमों के अनुसार भरा जाना चाहिए।
4. बोर्ड द्वारा आवेदन पर विचार किया जायेगा परंतु तब जब यह सभी प्रकार से पूर्ण हो।
5. सभी उत्तर पढ़े जाने योग्य होने चाहिए और प्ररूप के प्रत्येक पृष्ठ पर हस्ताक्षर होने चाहिए / मुहर लगी होनी चाहिए और साथ ही सभी पृष्ठ संख्याकित होने चाहिए।
6. जो जानकारी अधिक विस्तार से दी जानी आवश्यक हो, वह जानकारी पृथक पन्नों पर दी जा सकेगी जो आवेदन प्ररूप के साथ संलग्न होने चाहिए और समुचित रूप से संख्याकित होने चाहिए।
7. आवेदन हस्ताक्षरित होना चाहिए और सभी हस्ताक्षर मौलिक होने चाहिए।
8. आवेदन के साथ इन विनियमों की दूसरी अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट आवेदन फीस अवश्य होनी चाहिए।

1. साधारण जानकारी

- (क) आवेदक का नाम, रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, पत्राचार का पता और कारबार का मुख्य स्थान, दूरभाष संख्या (संख्याएँ), फैक्स संख्या (संख्याएँ), ई-मेल का पता ।
- (ख) संपर्क व्यक्ति (व्यक्तियों) का नाम, सीधा लाइन नंबर, मोबाइल नंबर और ई-मेल ।
- (ग) आवेदक की विधिक संरचना - क्या आवेदक कंपनी है या न्यास है या सीमित दायित्व भागीदारी है या निगमित निकाय है ।
- (घ) निगमन / स्थापना की तारीख और स्थान ।
- (ङ) वह प्रवर्ग जिसके अधीन आवेदन किया जाता है -

1. प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि - जोखिम पूँजी निधि
2. प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि - सामाजिक उद्यम निधि
3. प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि - एसएमई निधि
4. प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि - अवसंरचना निधि
5. प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि - अन्य
6. प्रवर्ग II आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि
7. प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि

(च) यदि आवेदक प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में रजिस्ट्रीकृत होने का प्रस्ताव करता है, तो क्या निधि असीमित अवधि वाली होगी या सीमित अवधि वाली ।

(छ) क्या आवेदक या इसके सहयुक्त या इसका प्रायोजक (इसके प्रायोजक) या इसका प्रबंधक (इसके प्रबंधक) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय रिजर्व बैंक या किसी अन्य विनियामक प्राधिकरण के पास किसी भी हैसियत में रजिस्ट्रीकृत है (हैं), इसके रजिस्ट्रीकरण के ब्यौरे सहित।

(ज) आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में क्रियाकलाप करने के संबंध में अवसंरचना के ब्यौरे ।

(झ) प्रारूप स्थानन ज्ञापन की प्रति ।

2. आवेदक के ब्यौरे

I. यदि आवेदन न्यास है :

1. आवेदक के क्रियाकलापों संबंधी विवरण
2. क्या न्यास विलेख रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के उपबंधों के अधीन रजिस्ट्रीकृत है (रजिस्ट्रीकृत न्यास विलेख के सुसंगत उद्धरण संलग्न करें)
3. क्या न्यास विलेख आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के क्रियाकलाप करने की अनुज्ञा देता है ।
4. क्या आवेदक अपने न्यास विलेख द्वारा, अपनी यूनिटों में अभिदान करने के लिए जनता को आमंत्रण देने से, प्रतिषिद्ध है।
5. निम्नानुसार न्यासी / न्यासी कंपनी के ब्यौरे दें :
 - क. क्या न्यासी व्यक्ति है या न्यासी कंपनी है ।
 - ख. न्यासियों / न्यास कंपनी का नाम, रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, दूरभाष संख्या (संख्याएँ) और फैक्स संख्या (संख्याएँ) ।
 - ग. संपर्क व्यक्ति (व्यक्तियों) का नाम, सीधा लाइन नंबर, मोबाइल नंबर और ई-मेल ।
 - घ. न्यासियों / न्यासी कंपनी के निदेशकों की पहचान और पते का सबूत ।
 - ङ. क्या न्यासी कंपनी भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड, भारतीय रिजर्व बैंक या किसी अन्य विनियामक प्राधिकरण के पास किसी भी हैसियत में रजिस्ट्रीकृत है, इसके रजिस्ट्रीकरण के ब्यौरों सहित ।
 - च. न्यासी कंपनी के क्रियाकलापों संबंधी / न्यासियों के प्रोफाइल संबंधी विवरण

II. यदि आवेदक कंपनी है :

1. आवेदक के क्रियाकलापों संबंधी विवरण
2. शेयरधारिता पैटर्न और निदेशकों का प्रोफाइल (निदेशकों की पहचान का सबूत और उनके पते का सबूत संलग्न करें)
3. क्या संगम ज्ञापन आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का क्रियाकलाप करने की अनुज्ञा देता है (संगम ज्ञापन के सुसंगत उद्धरण संलग्न करें)
4. क्या आवेदक अपने संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद द्वारा, अपनी प्रतिभूतियों में अभिदान करने के लिए जनता को आमंत्रण देने से, प्रतिषिद्ध है ;

III. यदि आवेदक सीमित दायित्व भागीदारी (एलएलपी) है :

1. आवेदक के क्रियाकलापों संबंधी विवरण
2. हिताधिकारी स्वामित्व पैटर्न और भागीदारों का प्रोफाइल (भागीदारों की पहचान का सबूत और उनके पते का सबूत संलग्न करें)
3. क्या भागीदारी विलेख सीमित दायित्व भागीदारी अधिनियम, 2008 के उपबंधों के अधीन सम्यक् रूप से रजिस्ट्रीकृत है और वह आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का क्रियाकलाप करने की अनुज्ञा देता है (भागीदारी विलेख के सुसंगत उद्धरण संलग्न करें)
4. क्या आवेदक अपने भागीदारी विलेख द्वारा, अपनी प्रतिभूतियों में अभिदान करने के लिए जनता को आमंत्रण देने से, प्रतिषिद्ध है ;

IV. यदि आवेदक निगमित निकाय है

1. आवेदक के क्रियाकलापों संबंधी विवरण
2. शेयरधारिता पैटर्न और निदेशकों का प्रोफाइल (निदेशकों की पहचान का सबूत और उनके पते का सबूत संलग्न करें)

3. क्या आवेदक केन्द्रीय या राज्य विधानमंडल की विधियों के अधीन गठित या स्थापित है
4. क्या आवेदक आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का क्रियाकलाप करने के लिए अनुज्ञात है (सुसंगत कानून / अधिनियम के सुसंगत उद्धरण संलग्न करें)
5. क्या आवेदक अपने संगम ज्ञापन और संगम अनुच्छेद द्वारा, अपनी प्रतिभूतियों में अभिदान करने के लिए जनता को आमंत्रण देने से, प्रतिषिद्ध है ;

3. प्रायोजक (प्रायोजकों) के ब्यौरे (प्रायोजक विनियम 2(ब) में यथा परिभाषित होगा)

- (क) प्रायोजक का नाम, रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, पत्राचार का पता और कारबार का मुख्य स्थान, दूरभाष संख्या (संख्याएँ), फैक्स संख्या (संख्याएँ), ई-मेल का पता ।
- (ख) संपर्क व्यक्ति (व्यक्तियों) का नाम, सीधा लाइन नंबर, मोबाइल नंबर और ई-मेल ।
- (ग) प्रायोजक की विधिक संरचना (क्या प्रायोजक व्यक्ति / कंपनी / सीमित दायित्व भागीदारी / निगमित निकाय है / हैं) और निगमन / स्थापना की तारीख और स्थान, जहाँ लागू हो ।
- (घ) यदि प्रायोजक व्यक्ति है (हैं), तो प्रायोजक का संक्षिप्त प्रोफाइल उपलब्ध कराये जिसमें वृत्तिक अर्हता सम्मिलित है । यदि प्रायोजक व्यक्ति से भिन्न है, तो शेयरधारिता पैटर्न / भागीदारी हितों और निदेशकों / भागीदारों का प्रोफाइल, जिसमें उनकी वृत्तिक अर्हता सम्मिलित है, संबंधी विवरण ।
- (ङ) प्रायोजक (यदि प्रायोजक व्यक्ति है) / प्रायोजक के निदेशकों (यदि प्रायोजक कंपनी है) / प्रायोजक के भागीदारों (यदि प्रायोजक सीमित दायित्व भागीदारी है) की पहचान का सबूत और उनके पते का सबूत ।
- (च) क्या प्रायोजक या इसका (इसके) निदेशक / भागीदार भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत है (हैं) ।

- (छ) पूँजी के पूल के संबंध में सलाह देने या प्रबंधन में अथवा निधि या आस्ति या धन या संविभाग (पोर्टिफोलियो) प्रबंधन में अथवा प्रतिभूतियों या अन्य वित्तीय आस्तियों के क्रय, विक्रय तथा व्यौहार के कारबार में प्रायोजक (प्रायोजकों) के पिछले अनुभव के ब्यौरे ।
- (ज) पिछले वित्तीय वर्ष के वित्तीय विवरणों की प्रतियाँ
- (झ) क्या, प्रायोजक ने पहले कोई आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ / जोखिम पूँजी निधियाँ, जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से रजिस्ट्रीकृत हैं, चालू की हैं । यदि हाँ, तो उसके ब्यौरे ।

4. प्रबंधक के ब्यौरे

- (क) प्रबंधक (प्रबंधकों) का नाम, रजिस्ट्रीकृत कार्यालय का पता, पत्राचार का पता, दूरभाष संख्या (संख्याएँ), फैक्स संख्या (संख्याएँ) ।
- (ख) संपर्क व्यक्ति (व्यक्तियों) का नाम, सीधा लाइन नंबर, मोबाइल नंबर और ई-मेल ।
- (ग) प्रबंधक की विधिक संरचना (क्या प्रबंधक व्यक्ति / कंपनी / सीमित दायित्व भागीदारी / निगमित निकाय है/हैं) और निगमन / स्थापना की तारीख तथा स्थान, जहाँ लागू हो ।
- (घ) प्रबंधक के क्रियाकलापों संबंधी विवरण, जिसमें पूँजी के पूल के संबंध में सलाह देने या प्रबंधन में अथवा निधि या आस्ति या धन या संविभाग (पोर्टिफोलियो) प्रबंधन में अथवा प्रतिभूतियों या अन्य वित्तीय आस्तियों के क्रय, विक्रय तथा व्यौहार के कारबार में पिछला अनुभव सम्मिलित है ।
- (ङ) प्रबंधक (यदि प्रबंधक व्यक्ति है) / प्रबंधक के निदेशकों (यदि प्रबंधक कंपनी है) / प्रबंधक के भागीदारों (यदि प्रबंधक सीमित दायित्व भागीदारी है) की पहचान का सबूत और उनके पते का सबूत ।
- (च) यदि प्रबंधक कंपनी या सीमित दायित्व भागीदारी है, तो शेयरधारिता पैटर्न / भागीदारी हित और निदेशकों / भागीदारों का प्रोफाइल ।
- (छ) मुख्य विनिधान (निवेश) दल का संक्षिप्त प्रोफाइल जिसमें अनुभव और वृत्तिक अर्हता सम्मिलित है ।

- (ज) पिछले वित्तीय वर्ष के वित्तीय विवरणों की प्रतियाँ
- (झ) क्या, प्रबंधक ने पहले किन्हीं आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियों / जोखिम पूँजी निधियों, जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत हैं, का प्रबंधन किया है / को सलाह दी है। यदि हाँ, तो उसके ब्यौरे।

5. कारबार योजना और विनिधान (निवेश) युक्ति के ब्यौरे

- (क) निधि का विनिधान (निवेश) उद्देश्य और विनिधान (निवेश) शैली / युक्ति
- (ख) लक्षित विनिधानकर्ता (निवेशक)
- (ग) लक्षित उद्योग / सेक्टर (क्षेत्र), यदि कोई हों
- (घ) प्रस्तावित कार्पस
- (ङ) प्रायोजक और प्रबंधक के लिए प्रस्तावित फीस
- (च) निधि या स्कीम की अवधि
- (छ) प्रवर्ग III आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के मामले में लीवरेज के प्रस्तावित उपयोग के ब्यौरे

6. विगत में की गई विनियामक कार्रवाई, यदि कोई हो, के ब्यौरे

- (क) क्या आवेदक या प्रायोजक या इसके निदेशक / भागीदार या प्रबंधक या इसके निदेशक / भागीदार या न्यासी / न्यासी कंपनी या इसके निदेशक प्रतिभूति बाजार से संबंधित किसी मुकदमे में अंतर्वलित हैं / थे और प्रतिभूति विधियों के अतिक्रमण के लिए उनके खिलाफ कोई आदेश पारित किया गया है / था। (यदि हाँ, तो ब्यौरे दें। यदि नहीं, तो उस भाव की घोषणा संलग्न करें)
- (ख) क्या आवेदक / प्रायोजक / न्यासी / प्रबंधक या इसके निदेशक या भागीदार या कर्मचारी प्रतिभूति बाजार से संबंधित किसी मुकदमे में अंतर्वलित हैं / रहे हैं जिसका आवेदक के कारबार पर प्रतिकूल प्रभाव हो सकता हो या प्रतिभूति विधियों के अतिक्रमण के लिए उनके खिलाफ कोई आदेश पारित किया गया है / था। (यदि हाँ, तो ब्यौरे दें। यदि नहीं, तो उस भाव की घोषणा संलग्न करें)

(ग) क्या आवेदक / प्रायोजक / न्यासी / प्रबंधक या इसके निदेशकों या भागीदारों को इस आवेदन से पहले किसी भी समय बोर्ड द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान करने से इंकार किया गया है या इसका / उनका प्रमाणपत्र निलंबित किया गया है। (यदि हाँ, तो ब्योरे दें। यदि नहीं, तो उस भाव की घोषणा संलग्न करें)

7. अन्य जानकारी / घोषणाएँ

(क) विनियम 10 के खंड (घ) के अनुसार प्रायोजक (प्रायोजकों) / प्रबंधक (प्रबंधकों) द्वारा अंशदान की रकम / अंशदान के लिए प्रस्तावित रकम, उसके ब्यौरों सहित। (प्रायोजक(प्रायोजकों) / प्रबंधक(प्रबंधकों) से सुपुर्दगी-पत्रों की प्रतियाँ उपलब्ध करायें)

(ख) क्या आवेदक, प्रायोजक और प्रबंधक भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (मध्यवर्ती) विनियम, 2008 में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर उपयुक्त तथा उचित व्यक्ति हैं; (उस भाव की घोषणा संलग्न करें)

(ग) यह घोषणा कि आवेदक आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की बाबत विनियम 10 के उपबंधों का पालन करेगा।

(घ) यह घोषणा कि आवेदक साधारण विनिधान (निवेश) शर्तों और लागू प्रवर्ग की शर्तों की बाबत विनियम 15 और 16 के उपबंधों का पालन करेगा।

घोषणा कथन (निम्नानुसार दिया जाने वाला)

हम एतद्वारा सहमत हैं और यह घोषणा करते हैं कि आवेदन, जिसमें संलग्नक पन्ने भी सम्मिलित हैं, में दी गयी जानकारी पूर्ण और सत्य है।

और हम इससे भी सहमत हैं कि, हम आवेदन में उपलब्ध करायी गयी जानकारी में किसी परिवर्तन की सूचना तुरंत भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड को देंगे।

हम इससे भी सहमत हैं कि हम भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992, और भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ) विनियम, 2012, और भारत सरकार के मार्गदर्शक सिद्धांतों / अनुदेशों जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर घोषित किये जायें का पालन करेंगे।

हम इससे भी सहमत हैं कि रजिस्ट्रीकरण की शर्त के रूप में, हम प्रचालन-संबंधी ऐसे अनुदेशों / निदेशों का पालन करेंगे जो भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी किये जायें।

_____ के लिए और की ओर से
(आवेदक का नाम)

प्राधिकृत हस्ताक्षकर्ता
(हस्ताक्षर)

प्ररूप ख

**भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
{आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ} विनियम, 2012**

विनियम 6 देखें

आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

- I. बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) के अधीन बनाये गये विनियमों के साथ पठित उस अधिनियम की धारा 12 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए

को अधिनियम में और उसके अधीन बनाये गये विनियमों में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधधीन आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के रूप में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र एतद्वारा प्रदान करता है।

- III. आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि का प्रवर्ग _____ होगा।
- II. आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि की रजिस्ट्रीकरण संख्या आईएन/एआईएफ/प्रवर्ग ____/_____ है।

तारीख :

स्थान : मुंबई

आदेश द्वारा

ह/-

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड
के लिए और की ओर से

दूसरी अनुसूची

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड {आनुकूलिक विनिधान (निवेश) निधियाँ} विनियम, 2012

विनियम 3(2), 3(5), 6(2) और 12(2) देखें

फीस

भाग क

फीस के रूप में अदा की जाने वाली रकम

आवेदन फीस	रु.1,00,000
रजिस्ट्रीकरण फीस	रु.5,00,000
स्कीम फीस	रु.1,00,000
पुनः रजिस्ट्रीकरण फीस	रु.1,00,000

भाग ख

ऊपर विनिर्दिष्ट फीस का भुगतान "भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड", मुंबई के पक्ष में बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जायेगा।

तीसरी अनुसूची [विनियम 38 देखें]

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूँजी का निर्गमन और प्रकटीकरण अपेक्षाएँ) विनियम, 2009 में संशोधन

- (i) विनियम 2 में, उप-विनियम (1) में खंड (यघ) में, उप-खंड (i) में, शब्दों "जोखिम पूँजी निधि" के पश्चात् और शब्द "और" के पूर्व, शब्द ", आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;
- (ii) विनियम 37 में, परंतुक में, खंड (ख) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा :-
 "(ख) जोखिम पूँजी निधि या प्रवर्ग I की आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि या विदेशी जोखिम पूँजी विनिधानकर्ता (निवेशक) द्वारा धारित इक्विटी शेयरों पर लागू नहीं होगी :
 परंतु यह कि ऐसे इक्विटी शेयर जोखिम पूँजी निधि या आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि या विदेशी जोखिम पूँजी विनिधानकर्ता (निवेशक) द्वारा क्रय की तारीख से कम से कम एक वर्ष की अवधि के लिए रुद्ध (लॉक-इन) हो जायेंगे।"

2. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी जोखिम पूँजी विनिधानकर्ता) विनियम, 2000 में संशोधन

- (i) विनियम 2 में, उप-विनियम (1) में,
 - (क) खंड (ठ) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा अर्थात् :-
 "(ठ) "जोखिम पूँजी निधि" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जोखिम पूँजी निधियाँ) विनियम, 1996 के अधीन, या प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि के अधीन "जोखिम पूँजी निधि" के उप-प्रवर्ग में भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड {आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधियाँ} विनियम, 2012 के अधीन बोर्ड के पास रजिस्ट्रीकृत निधि अभिप्रेत है।"
 - (ख) खंड (ड) निम्नलिखित से प्रतिस्थापित हो जायेगा अर्थात् :-
 "(ड) "जोखिम पूँजी उपक्रम" से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड {आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि} विनियम, 2012 के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (कक) के अधीन यथा परिभाषित जोखिम पूँजी उपक्रम अभिप्रेत है।"

- (ग) उप-विनियम (2) में, शब्दों "'भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जोखिम पूँजी निधियाँ) विनियम, 1996" के पश्चात् शब्दों तथा संख्याओं "या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड {आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि} विनियम, 2012" को अंतःस्थापित किया जायेगा ।
- (ii) विनियम 4 में, उप-विनियम (1) में, खंड (ड) में शब्दों "जोखिम पूँजी निधि" के पश्चात् शब्द "या आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;
- (iii) विनियम 11 में, खंड (ख) में, शब्दों "जोखिम पूँजी निधि" के पश्चात्, शब्द "या आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि" अंतःस्थापित किये जायेंगे ;
- (iv) विनियम 11 में, खंड (ग) में, शब्द "जोखिम पूँजी उपक्रम" या "जोखिम पूँजी उद्यम" जहाँ कहीं भी आते हों शब्दों "जोखिम पूँजी उपक्रम या भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड {आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि} विनियम, 2012 के विनियम 2 के उप-विनियम (1) के खंड (ण) में यथा परिभाषित इन्वेस्टी कंपनी" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ।

3. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन और अधिग्रहण) विनियम, 2011 में संशोधन

- (i) विनियम 2 में, उप-विनियम (1) में, खंड (थ) में, उप-खंड (2) में मद (viii) के पश्चात् निम्नलिखित नयी मद अंतःस्थापित की जायेगी अर्थात् :-
"(viii) आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि और इसका प्रयोजक, न्यासी, न्यासी कंपनी और प्रबंधक ;"
- (ii) विनियम 10 में, उप-विनियम (4) में, खंड (च) में, शब्द "जोखिम पूँजी निधि" जहाँ कहीं भी आते हों, शब्दों "जोखिम पूँजी निधि या प्रवर्ग I आनुकल्पिक विनिधान (निवेश) निधि" से प्रतिस्थापित हो जायेंगे ।

यू. के. सिन्हा, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/असा./69-जेड बी/12]

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA**NOTIFICATION**

Mumbai, the 21st May, 2012

**Securities and Exchange Board of India
(Alternative Investment Funds) Regulations, 2012**

No. LAD-NRO/GN/2012-13/04/11262.—¹In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 30 read with sub-section (1) of Section 11, clause (ba) and clause (c) of sub-section (2) of Section 11 and sub-section (1) and (1B) of Section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992) the Securities and Exchange Board of India hereby, makes the following regulations, namely, —

**CHAPTER – I
PRELIMINARY**

Short title and commencement.

1. (1) These regulations shall be called the Securities and Exchange Board of India (Alternative Investment Funds) Regulations, 2012.
- (2) These regulations shall come into force on the date of their notification in the Official Gazette.

Definitions.

2. (1) In these regulations, unless the context otherwise requires, the terms defined herein shall bear the meanings assigned to them below, and their cognate expressions and variations shall be construed accordingly,—

- (a) "Act" means the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992);
- (b) "Alternative Investment Fund" means any fund established or incorporated in India in the form of a trust or a company or a limited liability partnership or a body corporate which,
 - (i) is a privately pooled investment vehicle which collects funds from investors, whether Indian or foreign, for investing it in accordance with a defined investment policy for the benefit of its investors; and
 - (ii) is not covered under the Securities and Exchange Board of India (Mutual Funds) Regulations, 1996, Securities and Exchange Board of India (Collective Investment Schemes) Regulations, 1999 or any other regulations of the Board to regulate fund management activities:

Provided that the following shall not be considered as Alternative Investment Fund for the purpose of these regulations,-

- (i) family trusts set up for the benefit of 'relatives' as defined under Companies Act, 1956;
- (ii) ESOP Trusts set up under the Securities and Exchange Board of India (Employee Stock Option Scheme and Employee Stock Purchase Scheme), Guidelines, 1999 or as permitted under Companies Act, 1956;
- (iii) employee welfare trusts or gratuity trusts set up for the benefit of employees;
- (iv) 'holding companies' within the meaning of Section 4 of the Companies Act, 1956;
- (v) other special purpose vehicles not established by fund managers, including securitization trusts, regulated under a specific regulatory framework;
- (vi) funds managed by securitisation company or reconstruction company which is registered with the Reserve Bank of India under Section 3 of the Securitisation and Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002; and

- (vii) any such pool of funds which is directly regulated by any other regulator in India;
- (c) “associate” means a company or a limited liability partnership or a body corporate in which a director or trustee or partner or Sponsor or Manager of the Alternative Investment Fund or a director or partner of the Manager or Sponsor holds, either individually or collectively, more than fifteen percent of its paid-up equity share capital or partnership interest, as the case may be;
- (d) “Board” means the Securities and Exchange Board of India established under Section 3 of the Act;
- (e) “certificate” means a certificate of registration granted by the Board under regulation 6;
- (f) “change in control” in relation to a company or a body corporate, means:
- (i) if its shares are listed on any recognized stock exchange, change in control within the meaning of clause (e) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011;
 - (ii) in any other case, change in the controlling interest or change in legal form;
- Explanation.—** For the purpose of sub-clause (ii), the expression “controlling interest” means an interest, whether direct or indirect, to the extent of more than fifty percent of voting rights or interest;
- (g) “company” means a company incorporated under the Companies Act, 1956;
- (h) “corpus” means the total amount of funds committed by investors to the Alternative Investment Fund by way of a written contract or any such document as on a particular date;
- (i) “debt fund” means an Alternative Investment Fund which invests primarily in debt or debt securities of listed or unlisted investee companies according to the stated objectives of the Fund;

- (j) **“equity linked instruments”** includes instruments convertible into equity shares or share warrants, preference shares, debentures compulsorily or optionally convertible into equity;
- (k) **“form”** means any of the forms set out in the First Schedule;
- (l) **“hedge fund”** means an Alternative Investment Fund which employs diverse or complex trading strategies and invests and trades in securities having diverse risks or complex products including listed and unlisted derivatives;
- (m) **“infrastructure fund”** means an Alternative Investment Fund which invests primarily in unlisted securities or partnership interest or listed debt or securitized debt instruments of investee companies or special purpose vehicles engaged in or formed for the purpose of operating, developing or holding infrastructure projects;

Explanation.— ‘Infrastructure’ shall be as defined by the government of India from time to time.

- (n) **“inspecting authority”** means any one or more person appointed by the Board to exercise powers conferred under regulation 30;
- (o) **“investee company”** means any company, special purpose vehicle or limited liability partnership or body corporate in which an Alternative Investment Fund makes an investment;
- (p) **“investible funds”** means corpus of the Alternative Investment Fund net of estimated expenditure for administration and management of the fund;
- (q) **“manager”** means any person or entity who is appointed by the Alternative Investment Fund to manage its investments by whatever name called and may also be same as the sponsor of the Fund;
- (r) **“private equity fund”** means an Alternative Investment Fund which invests primarily in equity or equity linked instruments or partnership interests of investee companies according to the stated objective of the fund;

- (s) “SME” means Small and Medium Enterprise and shall have the same meaning as assigned to it under the Micro, Small and Medium Enterprises Development Act 2006 as amended from time to time;
- (t) “SME fund” means an Alternative Investment Fund which invests primarily in unlisted securities of investee companies which are SMEs or securities of those SMEs which are listed or proposed to be listed on a SME exchange or SME segment of an exchange;
- (u) “social venture” means a trust, society or company or venture capital undertaking or limited liability partnership formed with the purpose of promoting social welfare or solving social problems or providing social benefits and includes,-
 - (i) public charitable trusts registered with Charity Commissioner;
 - (ii) societies registered for charitable purposes or for promotion of science, literature, or fine arts;
 - (iii) company registered under Section 25 of the Companies Act, 1956;
 - (iv) micro finance institutions;
- (v) “social venture fund” means an Alternative Investment Fund which invests primarily in securities or units of social ventures and which satisfies social performance norms laid down by the fund and whose investors may agree to receive restricted or muted returns;
- (w) “sponsor” means any person or persons who set up the Alternative Investment Fund and includes promoter in case of a company and designated partner in case of a limited liability partnership;
- (x) “trust” means a trust established under the Indian Trusts Act, 1882 or under an Act of Parliament or State Legislation;
- (y) “unit” means beneficial interest of the investors in the Alternative Investment Fund or a scheme of the Alternative Investment Fund and shall include shares or partnership interests;

- (z) “venture capital fund” means an Alternative Investment Fund which invests primarily in unlisted securities of start-ups, emerging or early-stage venture capital undertakings mainly involved in new products, new services, technology or intellectual property right based activities or a new business model;
- (aa) “venture capital undertaking” means a domestic company:
 - (i) which is not listed on a recognised stock exchange in India at the time of making investment; and
 - (ii) which is engaged in the business for providing services, production or manufacture of article or things and does not include following activities or sectors:
 - (1) non-banking financial companies;
 - (2) gold financing;
 - (3) activities not permitted under industrial policy of Government of India;
 - (4) any other activity which may be specified by the Board in consultation with Government of India from time to time;
- (2) All other expressions unless defined herein shall have the same meaning as have been assigned to them under the Act or the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956, (42 of 1956) or the Companies Act, 1956 (1 of 1956), or any statutory modification or re-enactment thereto, as the case may be.

CHAPTER II

REGISTRATION OF ALTERNATIVE INVESTMENT FUNDS

Registration of Alternative Investment Funds.

- 3. (1) On and from the commencement of these regulations, no entity or person shall act as an Alternative Investment Fund unless it has obtained a certificate of registration from the Board:

Provided that an existing fund falling within the definition of Alternative Investment Fund which is not registered with the Board may continue to operate for a period of six months from commencement of these regulations or if it has made an application for registration under sub-regulation (5) within the said period of six months, till the disposal of such application:

Provided further that the Board may, in special cases, extend the said period up to a maximum of twelve months from the date of such commencement:

Provided further that existing schemes will be allowed to complete their agreed tenure, such funds shall not raise any fresh monies other than commitments already made till registration is granted under regulation 6:

Provided further that if such existing funds are not able to comply with conditions specified under these regulations, they may apply for exemption to the Board from strict compliance with these regulations and the Board upon examination may provide such exemptions or issue such instructions as may be deemed appropriate.

- (2) The funds registered as venture capital fund under Securities and Exchange Board of India (Venture Capital Funds) Regulations, 1996 shall continue to be regulated by the said regulations till the existing fund or scheme managed by the fund is wound up and such funds shall not launch any new scheme after notification of these regulations:

Provided that the existing fund or scheme shall not increase the targeted corpus of the fund or scheme after notification of these regulations.

Provided further that venture capital funds may seek re-registration under these regulations subject to approval of two-thirds of their investors by value of their investment.

- (3) Any entity referred to in sub-regulation (1) who fails to make an application for grant of a certificate within the period specified therein shall cease to carry on any activity as an Alternative Investment Fund.
- (4) Alternative Investment Funds shall seek registration in one of the categories mentioned hereunder and in case of Category I Alternative Investment Fund, in one of the sub-categories thereof:

- (a) "Category I Alternative Investment Fund" which invests in start-up or early stage ventures or social ventures or SMEs or infrastructure or other sectors or areas which the government or regulators consider as socially or economically desirable and shall include venture capital funds, SME Funds, social venture funds, infrastructure funds and such other Alternative Investment Funds as may be specified;

Explanation.— For the purpose of this clause, Alternative Investment Funds which are generally perceived to have positive spillover effects on economy and for which the Board or Government of India or other regulators in India might consider providing incentives or concessions shall be included and such funds which are formed as trusts or companies shall be construed as "venture capital company" or "venture capital fund" as specified under sub-section (23FB) of Section 10 of the Income Tax Act, 1961.

- (b) "Category II Alternative Investment Fund" which does not fall in Category I and III and which does not undertake leverage or borrowing other than to meet day-to-day operational requirements and as permitted in these regulations;

Explanation.— For the purpose of this clause, Alternative Investment Funds such as private equity funds or debt funds for which no specific incentives or concessions are given by the government or any other Regulator shall be included.

- (c) "Category III Alternative Investment Fund" which employs diverse or complex trading strategies and may employ leverage including through investment in listed or unlisted derivatives.

Explanation.— For the purpose of this clause, Alternative Investment Funds such as hedge funds or funds which trade with a view to make short term returns or such other funds which are open ended and for which no specific incentives or concessions are given by the government or any other Regulator shall be included.

- (5) An application for grant of certificate shall be made for any of the categories as specified in sub-regulation (4) in Form A as specified in the First Schedule to these regulations and shall be accompanied by a non-refundable application fee as specified in Part A of the Second Schedule to these regulations to be paid in the manner specified in Part B thereof.
- (6) The Board shall take into account requirements as specified in these regulations for the purpose of considering grant of registration.
- (7) Without prejudice to the powers of the Board to take any action under the Act or regulations made there under, the certificate of registration shall be valid till the Alternative Investment Fund is wound up.
- (8) The Board may, in the interest of the investors, issue directions with regard to the transfer of records, documents or securities or disposal of investments relating to its activities as an Alternative Investment Fund.
- (9) The Board may, in order to protect the interests of investors, appoint any person to take charge of records, documents, securities and for this purpose, also determine the terms and conditions of such an appointment.

Eligibility Criteria.

4. For the purpose of the grant of certificate to an applicant, the Board shall consider the following conditions for eligibility, namely, —
 - (a) the memorandum of association in case of a company; or the Trust Deed in case of a Trust; or the Partnership deed in case of a limited liability partnership permits it to carry on the activity of an Alternative Investment Fund;
 - (b) the applicant is prohibited by its memorandum and articles of association or trust deed or partnership deed from making an invitation to the public to subscribe to its securities;
 - (c) in case the applicant is a Trust, the instrument of trust is in the form of a deed and has been duly registered under the provisions of the Registration Act, 1908;

- (d) in case the applicant is a limited liability partnership, the partnership is duly incorporated and the partnership deed has been duly filed with the Registrar under the provisions of the Limited Liability Partnership Act, 2008;
- (e) in case the applicant is a body corporate, it is set up or established under the laws of the Central or State Legislature and is permitted to carry on the activities of an Alternative Investment Fund;
- (f) the applicant, Sponsor and Manager are fit and proper persons based on the criteria specified in Schedule II of the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008;
- (g) the key investment team of the Manager of Alternative Investment Fund has adequate experience, with at least one key personnel having not less than five years experience in advising or managing pools of capital or in fund or asset or wealth or portfolio management or in the business of buying, selling and dealing of securities or other financial assets and has relevant professional qualification;
- (h) the Manager or Sponsor has the necessary infrastructure and manpower to effectively discharge its activities;
- (i) the applicant has clearly described at the time of registration the investment objective, the targeted investors, proposed corpus, investment style or strategy and proposed tenure of the fund or scheme;
- (j) whether the applicant or any entity established by the Sponsor or Manager has earlier been refused registration by the Board.

Furnishing of Information.

5. (1) The Board may require the applicant to furnish any such further information or clarification regarding the Sponsor or Manager or nature of the fund or fund management activities or any such matter connected thereto to consider the application for grant of a certificate or after registration thereon.
- (2) If required by the Board, the applicant or Sponsor or Manager shall appear before the Board for personal representation.

Procedure for grant of Certificate.

6. (1) The Board may grant certificate under any specific category of Alternative Investment Fund, if it is satisfied that the applicant fulfills the requirements as specified in these regulations.
- (2) The Board shall, on receipt of the registration fee as specified in the Second Schedule, grant a certificate of registration in Form B.
- (3) The registration may be granted with such conditions as may be deemed appropriate by the Board.

Conditions of certificate.

7. (1) The certificate granted under regulation 6 shall, inter-alia, be subject to the following conditions:-
 - (a) the Alternative Investment Fund shall abide by the provisions of the Act and these regulations;
 - (b) the Alternative Investment Fund shall not carry on any other activity other than permitted activities;
 - (c) the Alternative Investment Fund shall forthwith inform the Board in writing, if any information or particulars previously submitted to the Board are found to be false or misleading in any material particular or if there is any material change in the information already submitted.
- (2) An Alternative Investment Fund which has been granted registration under a particular category cannot change its category subsequent to registration, except with the approval of the Board.

Procedure where registration is refused.

8. (1) After considering an application made under regulation 3, if the Board is of the opinion that a certificate should not be granted, it may reject the application after giving the applicant a reasonable opportunity of being heard.
- (2) The decision of the Board to reject the application shall be communicated to the applicant within thirty days.

- (3) Where an application for a certificate is rejected by the Board, the applicant shall cease to carry on any activity as an Alternative Investment Fund:

Provided that nothing contained in these regulations shall affect the liability of the applicant towards its existing investors under law or agreement.

CHAPTER III

INVESTMENT CONDITIONS AND RESTRICTIONS

Investment Strategy.

9. (1) All Alternative Investment Funds shall state investment strategy, investment purpose and its investment methodology in its placement memorandum to the investors.
- (2) Any material alteration to the fund strategy shall be made with the consent of atleast two-thirds of unit holders by value of their investment in the Alternative Investment Fund.

Investment in Alternative Investment Fund.

10. Investment in all categories of Alternative Investment Funds shall be subject to the following conditions:-

- (a) the Alternative Investment Fund may raise funds from any investor whether Indian, foreign or non-resident Indians by way of issue of units;
- (b) each scheme of the Alternative Investment Fund shall have corpus of atleast twenty crore rupees;
- (c) the Alternative Investment Fund shall not accept from an investor, an investment of value less than one crore rupees:

Provided that in case of investors who are employees or directors of the Alternative Investment Fund or employees or directors of the Manager, the minimum value of investment shall be twenty five lakh rupees.

- (d) the Manager or Sponsor shall have a continuing interest in the Alternative Investment Fund of not less than two and half percent of the corpus or five crore rupees, whichever

is lower, in the form of investment in the Alternative Investment Fund and such interest shall not be through the waiver of management fees:

Provided that for Category III Alternative Investment Fund, the continuing interest shall be not less than five percent of the corpus or ten crore rupees, whichever is lower.

- (e) the Manager or Sponsor shall disclose their investment in the Alternative Investment Fund to the investors of the Alternative Investment Fund;
- (f) no scheme of the Alternative Investment Fund shall have more than one thousand investors;
- (g) the fund shall not solicit or collect funds except by way of private placement.

Placement Memorandum.

11. (1) Alternative Investment Fund shall raise funds through private placement by issue of information memorandum or placement memorandum, by whatever name called.
- (2) Such information or placement memorandum as specified in sub-regulation (1) shall contain all material information about the Alternative Investment Fund and the Manager, background of key investment team of the Manager, targeted investors, fees and all other expenses proposed to be charged, tenure of the Alternative Investment Fund or scheme, conditions or limits on redemption, investment strategy, risk management tools and parameters employed, key service providers, conflict of interest and procedures to identify and address them, disciplinary history, the terms and conditions on which the Manager offers investment services, its affiliations with other intermediaries, manner of winding up of the Alternative Investment Fund or the scheme and such other information as may be necessary for the investor to take an informed decision on whether to invest in the Alternative Investment Fund.

Schemes.

12. (1) The Alternative Investment Fund may launch schemes subject to filing of placement memorandum with the Board.
- (2) Such placement memorandum shall be filed with the Board atleast thirty days prior to launch of scheme along with the fees as specified in the Second Schedule:

Provided that payment of scheme fees shall not apply in case of launch of first scheme by the Alternative Investment Fund.

- (3) The Board may communicate its comments, if any, to the applicant prior to launch of the scheme and the applicant shall incorporate the comments in placement memorandum prior to launch of scheme.

Tenure.

13. (1) Category I Alternative Investment Fund and Category II Alternative Investment Fund shall be close ended and the tenure of fund or scheme shall be determined at the time of application subject to sub-regulation (2) of this regulation.
- (2) Category I and II Alternative Investment Fund or schemes launched by such funds shall have a minimum tenure of three years.
- (3) Category III Alternative Investment Fund may be open ended or close ended.
- (4) Extension of the tenure of the close ended Alternative Investment Fund may be permitted up to two years subject to approval of two-thirds of the unit holders by value of their investment in the Alternative Investment Fund.
- (5) In the absence of consent of unit holders, the Alternative Investment Fund shall fully liquidate within one year following expiration of the fund tenure or extended tenure.

Listing.

14. (1) Units of close ended Alternative Investment Fund may be listed on stock exchange subject to a minimum tradable lot of one crore rupees.
- (2) Listing of Alternative Investment Fund units shall be permitted only after final close of the fund or scheme.

General Investment Conditions.

15. (1) Investments by all categories of Alternative Investment Funds shall be subject to the following conditions:-

- (a) Alternative Investment Fund may invest in securities of companies incorporated outside India subject to such conditions or guidelines that may be stipulated or issued by the Reserve Bank of India and the Board from time to time;
 - (b) Co-investment in an investee company by a Manager or Sponsor shall not be on terms more favourable than those offered to the Alternative Investment Fund;
 - (c) Category I and II Alternative Investment Funds shall invest not more than twenty five percent of the corpus in one Investee Company;
 - (d) Category III Alternative Investment Fund shall invest not more than ten percent of the corpus in one Investee Company
 - (e) Alternative Investment Fund shall not invest in associates except with the approval of seventy five percent of investors by value of their investment in the Alternative Investment Fund;
 - (f) Un-invested portion of the corpus may be invested in liquid mutual funds or bank deposits or other liquid assets of higher quality such as Treasury bills, CBLOs, Commercial Papers, Certificates of Deposits, etc. till deployment of funds as per the investment objective;
 - (g) Alternative Investment Fund may act as Nominated Investor as specified in clause (b) of sub-regulation (1) of regulation 106N of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009.
- (2) Notwithstanding the conditions as specified in sub-regulation (1), the Board may specify additional requirements or criteria for Alternative Investment Funds or for a specific category thereof.

Conditions for Category I Alternative Investment Funds.

16. (1) The following investment conditions shall apply to all Category I Alternative Investment Funds:-

- (a) Category I Alternative Investment Fund shall invest in investee companies or venture capital undertaking or in special purpose vehicles or in limited liability

partnerships or in units of other Alternative Investment Funds as specified in these regulations;

- (b) Fund of Category I Alternative Investment Funds may invest in units of Category I Alternative Investment Funds of same sub-category:

Provided that they shall only invest in such units and shall not invest in units of other Fund of Funds:

Provided further that the investment conditions as specified in sub-regulations (2), (3), (4) or (5) shall not be applicable to investments by such funds.

- (c) Category I Alternative Investment Funds shall not borrow funds directly or indirectly or engage in any leverage except for meeting temporary funding requirements for not more than thirty days, on not more than four occasions in a year and not more than ten percent of the corpus.

- (2) The following investment conditions shall apply to venture capital funds in addition to conditions laid down in sub-regulation (1):-

- (a) at least two-thirds of the corpus shall be invested in unlisted equity shares or equity linked instruments of a venture capital undertaking or in companies listed or proposed to be listed on a SME exchange or SME segment of an exchange;
- (b) not more than one-third of the corpus shall be invested in:
- (i) subscription to initial public offer of a venture capital undertaking whose shares are proposed to be listed;
 - (ii) debt or debt instrument of a venture capital undertaking in which the fund has already made an investment by way of equity or contribution towards partnership interest;
 - (iii) preferential allotment, including through qualified institutional placement, of equity shares or equity linked instruments of a listed company subject to lock in period of one year;
 - (iv) the equity shares or equity linked instruments of a financially weak company or a sick industrial company whose shares are listed.

Explanation.— For the purpose of these regulations, “a financially weak company” means a company, which has at the end of the previous financial year accumulated losses, which has resulted in erosion of more than fifty percent but less than hundred percent of its net worth as at the beginning of the previous financial year.

- (v) special purpose vehicles which are created by the fund for the purpose of facilitating or promoting investment in accordance with these regulations:

Provided that the investment conditions and restrictions stipulated in clause (a) and clause (b) of sub-regulation (2) shall be achieved by the fund by the end of its life cycle.

- (c) such funds may enter into an agreement with merchant banker to subscribe to the unsubscribed portion of the issue or to receive or deliver securities in the process of market making under Chapter XB of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009 and the provisions of clause (a) and clause (b) of sub-regulation (2) shall not apply in case of acquisition or sale of securities pursuant to such subscription or market making.
- (d) such funds shall be exempt from regulation 3 and 3A of Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 1992 in respect of investment in companies listed on SME Exchange or SME segment of an exchange pursuant to due diligence of such companies subject to the following conditions:
- (i) the fund shall disclose any acquisition or dealing in securities pursuant to such due-diligence, within two working days of such acquisition or dealing, to the stock exchanges where the investee company is listed;
- (ii) such investment shall be locked in for a period of one year from the date of investment.
- (3) The following conditions shall apply to SME Funds in addition to conditions laid down in sub-regulation (1):-
- (a) at least seventy five percent of the corpus shall be invested in unlisted securities or partnership interest of venture capital undertakings or investee companies which are

SMEs or in companies listed or proposed to be listed on SME exchange or SME segment of an exchange;

- (b) such funds may enter into an agreement with merchant banker to subscribe to the unsubscribed portion of the issue or to receive or deliver securities in the process of market making under Chapter XB of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009;
- (c) such funds shall be exempt from regulation 3 and 3A of Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 1992 in respect of investment in companies listed on SME Exchange or SME segment of an exchange pursuant to due diligence of such companies subject to the following conditions:
 - (i) the fund shall disclose any acquisition or dealing in securities pursuant to such due-diligence, within two working days of such acquisition or dealing, to the stock exchanges where the investee company is listed;
 - (ii) such investment shall be locked in for a period of one year from the date of investment.
- (4) The following conditions shall apply to social venture funds in addition to the conditions laid down in sub-regulation (1):-
 - (a) atleast seventy five percent of the corpus shall be invested in unlisted securities or partnership interest of social ventures.
 - (b) such funds may accept grants, provided that such utilization of such grants shall be restricted to clause (a).
 - (c) such funds may give grants to social ventures, provided that appropriate disclosure is made in the placement memorandum.
 - (d) such funds may accept muted returns for their investors i.e. they may accept returns on their investments which may be lower than prevailing returns for similar investments.
- (5) The following conditions shall apply to Infrastructure Funds in addition to conditions laid down in sub-regulation (1):-

- (a) atleast seventy five percent of the corpus shall be invested in unlisted securities or units or partnership interest of venture capital undertaking or investee companies or special purpose vehicles, which are engaged in or formed for the purpose of operating, developing or holding infrastructure projects;
- (b) notwithstanding clause (a) of sub-regulation (5), such funds may also invest in listed securitized debt instruments or listed debt securities of investee companies or special purpose vehicles, which are engaged in or formed for the purpose of operating, developing or holding infrastructure projects.

Conditions for Category II Alternative Investment Funds.

17. The following investment conditions shall apply to Category II Alternative Investment Funds:-

- (a) Category II Alternative Investment Funds shall invest primarily in unlisted investee companies or in units of other Alternative Investment Funds as may be specified in the placement memorandum;
- (b) Fund of Category II Alternative Investment Funds may invest in units of Category I or Category II Alternative Investment Funds:

Provided that they shall only invest in such units and shall not invest in units of other Fund of Funds.
- (c) Category II Alternative Investment Funds may not borrow funds directly or indirectly and shall not engage in leverage except for meeting temporary funding requirements for not more than thirty days, not more than four occasions in a year and not more than ten percent of the corpus;
- (d) Notwithstanding clause (c), Category II Alternative Investment Funds may engage in hedging, subject to guidelines as specified by the Board from time to time;
- (e) Category II Alternative Investment Funds may enter into an agreement with merchant banker to subscribe to the unsubscribed portion of the issue or to receive or deliver securities in the process of market making under Chapter XB of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2009.

(f) Category II Alternative Investment Funds shall be exempt from regulation 3 and 3A of Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 1992 in respect of investment in companies listed on SME Exchange or SME segment of an exchange pursuant to due diligence of such companies subject to the following conditions:

- (i) the fund shall disclose any acquisition or dealing in securities pursuant to such due-diligence, within two working days of such acquisition or dealing, to the stock exchanges where the investee company is listed;
- (ii) such investment shall be locked in for a period of one year from the date of investment.

Conditions for Category III Alternative Investment Funds.

18. The following investment conditions shall apply to Category III Alternative Investment Funds:-

- (a) Category III Alternative Investment Funds may invest in securities of listed or unlisted investee companies or derivatives or complex or structured products;
- (b) Fund of Category II Alternative Investment Funds may invest in units of Category I or Category II Alternative Investment Funds:

Provided that they invest solely in such units and shall not invest in units of other Fund of Funds.

- (c) Category III Alternative Investment Funds may engage in leverage or borrow subject to consent from the investors in the fund and subject to a maximum limit, as may be specified by the Board:

Provided that such funds shall disclose information regarding the overall level of leverage employed, the level of leverage arising from borrowing of cash, the level of leverage arising from position held in derivatives or in any complex product and the main source of leverage in their fund to the investors and to the Board periodically, as may be specified by the Board.

- (d) Category III Alternative Investment Funds shall be regulated through issuance of directions regarding areas such as operational standards, conduct of business rules, prudential requirements, restrictions on redemption and conflict of interest as may be specified by the Board.

Other Alternative Investment Fund.

19. The Board may lay down framework for Alternative Investment Funds other than the Funds falling in the categories specified in these regulations.

CHAPTER IV

GENERAL OBLIGATIONS AND RESPONSIBILITIES AND TRANSPERANCY

General Obligations.

20. (1) All Alternative Investment Funds shall review policies and procedures, and their implementation, on a regular basis, or as a result of business developments, to ensure their continued appropriateness.
- (2) The Sponsor or Manager of Alternative Investment Fund shall appoint a custodian registered with the Board for safekeeping of securities if the corpus of the Alternative Investment Fund is more than five hundred crore rupees:
- Provided** that the Sponsor or Manager of a Category III Alternative Investment Fund shall appoint such custodian irrespective of the size of corpus of the Alternative Investment Fund.
- (3) All Alternative Investment Funds shall inform the Board in case of any change in the Sponsor, Manager or designated partners or any other material change from the information provided by the Alternative Investment Fund at the time of application for registration.
- (4) In case of change in control of the Alternative Investment Fund, Sponsor or Manager, prior approval from the Board shall be taken by the Alternative Investment Fund.
- (5) The books of accounts of the Alternative Investment Fund shall be audited annually by a qualified auditor.

Conflict of Interest.

21. (1) The Sponsor and Manager of the Alternative Investment Fund shall act in a fiduciary capacity towards its investors and shall disclose to the investors, all conflicts of interests as and when they arise or seem likely to arise.
- (2) Manager shall establish and implement written policies and procedures to identify, monitor and appropriately mitigate conflicts of interest throughout the scope of business.
- (3) Managers and Sponsors of Alternative Investment Fund shall abide by high level principles on avoidance of conflicts of interest with associated persons, as may be specified by the Board from time to time.

Transparency.

22. All Alternative Investment Funds shall ensure transparency and disclosure of information to investors on the following:
- (a) financial, risk management, operational, portfolio, and transactional information regarding fund investments shall be disclosed periodically to the investors;
- (b) any fees ascribed to the Manager or Sponsor; and any fees charged to the Alternative Investment Fund or any investee company by an associate of the Manager or Sponsor shall be disclosed periodically to the investors;
- (c) any inquiries/ legal actions by legal or regulatory bodies in any jurisdiction, as and when occurred;
- (d) any material liability arising during the Alternative Investment Fund's tenure shall be disclosed, as and when occurred;
- (e) any breach of a provision of the placement memorandum or agreement made with the investor or any other fund documents, if any, as and when occurred;
- (f) change in control of the Sponsor or Manager or Investee Company.
- (g) Alternative Investment Fund shall provide at least on an annual basis, within 180 days from the year end, reports to investors including the following information, as may be applicable to the Alternative Investment Fund:-

A. financial information of investee companies.

B. material risks and how they are managed which may include:

- (i) concentration risk at fund level;
 - (ii) foreign exchange risk at fund level;
 - (iii) leverage risk at fund and investee company levels;
 - (iv) realization risk (i.e. change in exit environment) at fund and investee company levels;
 - (v) strategy risk (i.e. change in or divergence from business strategy) at investee company level;
 - (vi) reputation risk at investee company level;
 - (vii) extra-financial risks, including environmental, social and corporate governance risks, at fund and investee company level.
- (h) Category III Alternative Investment Fund shall provide quarterly reports to investors in respect of clause (g) within 60 days of end of the quarter;
- (i) any significant change in the key investment team shall be intimated to all investors;
 - (j) alternative Investment Funds shall provide, when required by the Board, information for systemic risk purposes (including the identification, analysis and mitigation of systemic risks).

Valuation.

23. (1) The Alternative Investment Fund shall provide to its investors, a description of its valuation procedure and of the methodology for valuing assets.
- (2) Category I and Category II Alternative Investment Funds shall undertake valuation of their investments, atleast once in every six months, by an independent valuer appointed by the Alternative Investment Fund:

Provided that such period may be enhanced to one year on approval of atleast seventy-five percent of the investors by value of their investment in the Alternative Investment Fund.

- (3) Category III Alternative Investment Funds shall ensure that calculation of the net asset value (NAV) is independent from the fund management function of the Alternative Investment Fund and such NAV shall be disclosed to the investors at intervals not longer than a quarter for close ended Funds and at intervals not longer than a month for open ended funds.

Obligation of Manager.

24. The Manager shall be obliged to:

- (a) address all investor complaints;
- (b) provide to the Board any information sought by Board;
- (c) maintain all records as may be specified by the Board;
- (d) take all steps to address conflict of interest as specified in these regulations;
- (e) ensure transparency and disclosure as specified in the regulations.

Dispute Resolution.

25. An Alternative Investment Fund, by itself or through the Manager or Sponsor, shall lay down procedure for resolution of disputes between the investors, Alternative Investment Fund, Manager or Sponsor through arbitration or any such mechanism as mutually decided between the investors and the Alternative Investment Fund.

Power to call for information.

26. (1) The Board may at any time call for any information from an Alternative Investment Fund or its Manager or Sponsor or trustee or investor with respect to any matter relating to its activity as an Alternative Investment Fund or for the assessment of systemic risk or prevention of fraud.
- (2) Where any information is called for under sub-regulation (1) it shall be furnished within the time specified by the Board.

Maintenance of Records.

27. (1) The Manager or Sponsor shall be required to maintain following records describing:

- (a) the assets under the scheme/fund;
 - (b) valuation policies and practices;
 - (c) investment strategies;
 - (d) particulars of investors and their contribution;
 - (e) rationale for investments made.
- (2) The records under sub-regulation (1) shall be maintained for a period of five years after the winding up of the fund.

Submission of reports to the Board.

28. The Board may at any time call upon the Alternative Investment Fund to file such reports, as the Board may desire, with respect to the activities carried on by the Alternative Investment Fund.

Winding up.

29. (1) An Alternative Investment Fund set up as a trust shall be wound up:
- (a) when the tenure of the Alternative Investment Fund or all schemes launched by the Alternative Investment Fund, as mentioned in the placement memorandum is over; or
 - (b) if it is the opinion of the trustees or the trustee company, as the case may be, that the Alternative Investment Fund be wound up in the interests of investors in the units; or
 - (c) if seventy five percent of the investors by value of their investment in the Alternative Investment Fund pass a resolution at a meeting of unitholders that the Alternative Investment Fund be wound up; or
 - (d) if the Board so directs in the interests of investors.
- (2) An Alternative Investment Fund set up as a limited liability partnership shall be wound up in accordance with the provisions of The Limited Liability Partnership Act, 2008:

- (a) when the tenure of the Alternative Investment Fund or all schemes launched by the Alternative Investment Fund, as mentioned in the placement memorandum is over; or
 - (b) if seventy five percent of the investors by value of their investment in the Alternative Investment Fund pass a resolution at a meeting of unitholders that the Alternative Investment Fund be wound up; or
 - (c) if the Board so directs in the interests of investors.
- (3) An Alternative Investment Fund set up as a company shall be wound up in accordance with the provisions of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).
- (4) An Alternative Investment Fund set up as a body corporate shall be wound up in accordance with the provisions of the statute under which it is constituted.
- (5) The trustees or trustee company or the Board of Directors or designated partners of the Alternative Investment Fund, as the case maybe, shall intimate the Board and investors of the circumstances leading to the winding up of the Alternative Investment Fund.
- (6) On and from the date of intimation under sub-regulation (5) of regulation 29, no further investments shall be made on behalf of the Alternative Investment Fund so wound up.
- (7) Within one year from the date of intimation under sub-regulation (5) of regulation 29, the assets shall be liquidated, and the proceeds accruing to investors in the Alternative Investment Fund shall be distributed to them after satisfying all liabilities.
- (8) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (7) and subject to the conditions, if any, contained in the placement memorandum or contribution agreement or subscription agreement, as the case may be, in specie distribution of assets of the Alternative Investment Fund, shall be made by the Alternative Investment Fund at a ... time, including on winding up of the Alternative Investment Fund, as per the preference of investors, after obtaining approval of at least seventy five percent of the investors by value of their investment in the Alternative Investment Fund.
- (9) Upon winding up of the Alternative Investment Fund, the certificate of registration shall be surrendered to the Board.

CHAPTER V**INSPECTION****Board's right to inspect.**

30. The Board may suo motu or upon receipt of information or complaint appoint one or more persons as Inspecting Authority to undertake inspection of the books of account, records and documents relating to an Alternative Investment Fund for any of the following reasons, namely, —

- (a) to ensure that the books of account, records and documents are being maintained by the Alternative Investment Fund in the manner specified in these regulations;
- (b) to inspect complaints received from investors, clients or any other person, on any matter having a bearing on the activities of the Alternative Investment Fund;
- (c) to ascertain whether the provisions of the Act and these regulations are being complied with by the Alternative Investment Fund;
- (d) to inspect suo motu the affairs of an Alternative Investment Fund, in the interest of the securities market or in the interest of investors.

Notice before inspection.

31. (1) Before ordering an inspection under regulation 30, the Board shall give not less than ten days notice to the Alternative Investment Fund.
- (2) Notwithstanding anything contained in sub-regulation (1) where the Board is satisfied that in the interest of the investors no such notice should be given, it may by an order in writing direct that the inspection of the affairs of the Alternative Investment Fund be taken up without such notice.
- (3) During the course of an inspection, the Alternative Investment Fund against whom the inspection is being carried out shall be bound to discharge its obligations as provided in regulation 32.

Obligation of Alternative Investment Fund on inspection.

32. (1) It shall be the duty of every officer of the Alternative Investment Fund in respect of whom an inspection has been ordered under regulation 30 and any other associated person who is in possession of relevant information pertaining to conduct and affairs of such Alternative Investment Fund including Manager, if any, to produce to the Inspecting Authority such books, accounts and other documents in his custody or control and furnish him with such statements and information as the said Authority may require for the purposes of the inspection.
- (2) It shall be the duty of every officer of the Alternative Investment Fund and any other associated person who is in possession of relevant information pertaining to conduct and affairs of the Alternative Investment Fund including the manager to give to the Inspecting Authority all such assistance and shall extend all such co-operation as may be required in connection with the inspection and shall furnish such information as sought by the Inspecting Authority in connection with the inspection.
- (3) The Inspecting Authority shall, for the purposes of inspection, have power to examine on oath and record the statement of any employees, directors or person responsible for or connected with the activities of Alternative Investment Fund or any other associated person having relevant information pertaining to such Alternative Investment Fund.
- (4) The Inspecting Authority shall, for the purposes of inspection, have power to obtain authenticated copies of documents, books, accounts of Alternative Investment Fund, from any person having control or custody of such documents, books or accounts.

Submission of report to the Board.

33. The Inspecting Authority shall, as soon as possible, on completion of the inspection submit an inspection report to the Board:

Provided that if directed to do so by the Board, he may submit an interim report.

Communication of findings, etc. to the Alternative Investment Fund.

34. The Board may after consideration of the inspection report and after giving reasonable opportunity of hearing to the Alternative Investment Fund or its trustees, directors or

manager issue such direction as it deems fit in the interest of securities market or the investors including directions in the nature of :—

- (a) requiring an Alternative Investment Fund not to launch new schemes or raise money from investors for a particular period;
- (b) prohibiting the person concerned from disposing of any of the properties of the fund or scheme acquired in violation of these regulations;
- (c) requiring the person connected to dispose of the assets of the fund or scheme in a manner as may be specified in the directions;
- (d) requiring the person concerned to refund any money or the assets to the concerned investors along with the requisite interest or otherwise, collected under the scheme;
- (e) prohibiting the person concerned from operating in the capital market or from accessing the capital market for a specified period.

CHAPTER VI

PROCEDURE FOR ACTION IN CASE OF DEFAULT

Liability for action in case of default.

35. (1) An Alternative Investment Fund which—

- (a) contravenes any of the provisions of the Act or these regulations;
- (b) fails to furnish any information relating to its activity as an Alternative Investment Fund as required by the Board;
- (c) furnishes to the Board information which is false or misleading in any material particular;
- (d) does not submit periodic returns or reports as required by the Board;
- (e) does not co-operate in any enquiry, inspection or investigation conducted by the Board;
- (f) fails to resolve the complaints of investors or fails to give a satisfactory reply to the Board in this behalf,

shall be dealt with in the manner provided under the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008.

- (2) Sub-regulation (1) shall not prejudice the powers of the Board to issue directions or measures under regulation 34 or under sections 11, 11B, 11D, sub-section (3) of section 12 or section 24 or Chapter VIA of the Act or under any other law for the time being in force.

CHAPTER VII

MISCELLANEOUS

Power of the Board to issue clarifications.

36. In order to remove any difficulties in the application or interpretation of these regulations, the Board may issue clarifications and guidelines in the form of circulars or issue separate circular or guidelines or framework for each category of Alternative Investment Funds.

Delegation of powers.

37. The powers exercisable by the Board under these regulations shall also be exercisable by any officer of the Board to whom such powers are delegated by the Board by means of an order made under section 19 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992.

Amendments to other Regulations.

38. The regulations specified in the Third Schedule to these regulations shall be amended in the manner and to the extent stated therein.

Repeal and Saving.

39. (1) The Securities and Exchange Board of India (Venture Capital Funds) Regulations, 1996 hereby shall stand repealed.

- (2) Notwithstanding such repeal:

- (a) Anything done or any action taken or purported to have been done or taken, including suspension or cancellation of certificate of registration, any inquiry or investigation commenced or show cause notice issued under the repealed

regulations, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of these regulations;

- (b) All venture capital funds or schemes launched by such venture capital funds prior to date of notification of these regulations shall continue to be governed by provisions of Securities and Exchange Board of India (Venture Capital Funds) Regulations, 1996 till the fund or Scheme is wound up:

Provided that such funds shall not launch any new Scheme after notification of these regulations;

- (c) Any application made to the Board under the Securities and Exchange Board of India (Venture Capital Funds) Regulations, 1996 and pending before it shall be deemed to have been made under the corresponding provisions of Securities and Exchange Board of India (Alternative Investment Funds) Regulations, 2012.

- (3) After the repeal of Securities and Exchange Board of India (Venture Capital Funds) Regulations, 1996, any reference thereto in any other regulations made, guidelines or circulars issued thereunder by the Board shall be deemed to be a reference to the corresponding provisions of these regulations.

FIRST SCHEDULE-FORM**FORM A****Securities and Exchange Board of India
(Alternative Investment Funds) Regulations, 2012***See regulation 3***Application for Grant of Certificate of Registration as Alternative Investment Fund****Securities and Exchange Board of India**

SEBI Bhavan, C4-A, G Block, Bandra Kurla Complex, Mumbai 400051 - India

INSTRUCTIONS

1. This form is meant for use by the applicant for grant of certificate of registration as an Alternative Investment Fund.
2. The applicant should complete this form, and submit it, along with all supporting documents to the Board at its head office at Mumbai.
3. This application form should be filled in accordance with these regulations.
4. The application shall be considered by the Board provided it is complete in all respects.
5. All answers must be legible and all the pages must be numbered with signature/ stamp on each page of the form.
6. Information which needs to be supplied in more detail may be given on separate sheets which should be attached to the application form and appropriately numbered.
7. The application must be signed and all signatures must be original.
8. The application must be accompanied by an application fee as specified in the Second Schedule to these regulations.

1. GENERAL INFORMATION

- (a) Name, address of the registered office, address for correspondence and principal place of business, telephone number(s), fax number(s), e-mail address of the applicant.
- (b) Name, direct line number, mobile number and e-mail of the contact person(s).
- (c) Legal structure of applicant - Whether the applicant is a company or trust or limited liability partnership or a body corporate.
- (d) Date and place of incorporation/ establishment.
- (e) Category under which the application is made –

1. Category I Alternative Investment Fund- Venture Capital Fund
 2. Category I Alternative Investment Fund- Social Venture Fund
 3. Category I Alternative Investment Fund- SME Fund
 4. Category I Alternative Investment Fund- Infrastructure Fund
 5. Category I Alternative Investment Fund- Other
 6. Category II Alternative Investment Fund
 7. Category III Alternative Investment Fund
- (f) In case the applicant proposes to register as a Category III Alternative Investment Fund, whether the fund shall be open ended or close ended.
- (g) Whether the applicant or its associates or its sponsor(s) or its manager(s) is/ are registered with the Board, Reserve Bank of India or any other regulatory authority in any capacity along with the details of its registration.
- (h) Details of infrastructure for conducting activities as an Alternative Investment Fund
- (i) Copy of the draft placement memorandum.

2. DETAILS OF APPLICANT

I. In case applicant is a Trust:

1. Write-up on the activities of the applicant
2. Whether the Trust Deed is registered under the provisions of the Registration Act, 1908. (Enclose relevant extract of the Registered Trust Deed)
3. Whether the Trust Deed permits the carrying on of the activity of an Alternative Investment Fund
4. Whether the applicant is prohibited by its trust deed from making an invitation to the public to subscribe to its units;
5. Provide details of Trustees/ Trustee Company as below:
 - a. Whether Trustee is an individual or a Trustee company.
 - b. Name, registered office address, telephone number(s) and fax number(s) of the Trustees/ Trustee Company.
 - c. Name, direct line number, mobile number and e-mail of the contact person(s).
 - d. Identity and Address proof of Trustees/ Directors of the Trustee Company
 - e. Whether the Trustee Company is registered with Board, Reserve Bank of India or any other regulatory authority in any capacity along with the details of its registration.
 - f. Brief write up on the activities of the Trustee Company/ Profile of Trustees.

II. In case applicant is a Company:

1. Write-up on the activities of the applicant
2. Shareholding pattern and profile of the directors (Enclose Identity proof and address proof of the directors)
3. Whether the Memorandum of Association permits carrying on of the activity of an Alternative Investment Fund (Enclose relevant extract of the Memorandum of Association)
4. Whether the applicant is prohibited by its memorandum and articles of association from making an invitation to the public to subscribe to its securities;

III. In case applicant is a limited liability partnership:

1. Write-up on the activities of the applicant
2. Beneficial ownership pattern and profile of the partners (Enclose Identity proof and address proof of the partners)
3. Whether the partnership deed is duly registered under the provisions of the Limited Liability Partnership Act, 2008 and permits carrying on of the activity of an Alternative Investment Fund (Enclose relevant extract of the Partnership Deed)
4. Whether the applicant is prohibited by its partnership deed from making an invitation to the public to subscribe to its securities;

IV. In case applicant is a Body Corporate

1. Write-up on the activities of the applicant
2. Shareholding pattern and profile of the directors (Enclose Identity proof and address proof of the directors)
3. Whether the applicant is set up or established under the laws of the Central or State Legislature
4. Whether the applicant is permitted carrying on of the activity of an Alternative Investment Fund (Enclose relevant extract of the relevant Statute/Act)
5. Whether the applicant is prohibited by its memorandum and articles of association from making an invitation to the public to subscribe to its securities;

3. DETAILS OF SPONSOR(S) (Sponsor shall be as defined in sub-regulation (w) of regulation 2),

- (a) Name, address of registered office, address for correspondence and principal place of business, telephone number(s), fax number(s), e-mail address of the sponsor.
- (b) Name, direct line number, mobile number and e-mail of the contact person(s).

- (c) Legal status of the sponsor (whether sponsor(s) is/are individual/company/limited liability partnership/body corporate) and date and place of incorporation/establishment, wherever applicable.
- (d) In case of Sponsor being individual(s), provide a brief profile of the Sponsor including professional qualification. In case of Sponsor(s) being other than individual, write up on shareholding pattern/ Partnership interests and profile of the directors/partners including their professional qualification.
- (e) Identity proof and address proof of the Sponsor (if sponsor is an individual)/ directors of Sponsor (if sponsor is a company)/ partners of the Sponsor (if sponsor is an limited liability partnership).
- (f) Whether the Sponsor or its director(s)/ partner(s) is/are registered with the Board.
- (g) Details of past experience of the Sponsor(s) in advising or managing pools of capital or in fund or asset or wealth or portfolio management or in the business of buying, selling and dealing of securities or other financial assets.
- (h) Copies of the financial statements for the previous financial year
- (i) Whether, the Sponsor has floated any Alternative Investment Funds/ Venture Capital Funds previously, which are registered with the Board. If yes, details of the same.

4. DETAILS OF MANAGER

- (a) Name, address of the registered office address for correspondence, telephone number(s), fax number(s), of the Manager(s).
- (b) Name, direct line number, mobile number and e-mail of the contact person(s).
- (c) Legal status of the Manager (whether Manager(s) is/are individual/company/limited liability partnership/body corporate) and date and place of incorporation/establishment, wherever applicable.
- (d) Write up on the activities of the Manager including past experience in advising or managing pools of capital or in fund or asset or wealth or portfolio management or in the business of buying, selling & dealing of securities or other financial assets.
- (e) Identity proof and address proof of the Manager (if manager is an individual)/ directors of Manager (if manager is a company)/ partners of the Manager (if manager is an limited liability partnership).
- (f) In case of Manager being a company or limited liability partnership, shareholding pattern /Partnership interests and profile of the directors /Partners
- (g) Brief profile of Key Investment Team including experience and professional qualification
- (h) Copies of the financial statements for the previous financial year
- (i) Whether, the Manager has managed/advised any Alternative Investment Funds/ Venture Capital Funds previously, which are registered with the Board. If yes, details of the same.

5. DETAILS OF BUSINESS PLAN AND INVESTMENT STRATEGY

- (a) Investment objective and investment style/ strategy of the fund.
- (b) The target investors
- (c) The target industries/ sectors, if any
- (d) Proposed corpus
- (e) Proposed fees to the Sponsor and Manager
- (f) Tenure of the fund or scheme
- (g) Details of proposed use of leverage in case of Category III Alternative Investment Fund

6. DETAILS OF REGULATORY ACTION TAKEN IN THE PAST, IF ANY

- (a) Whether the applicant or Sponsor or its directors/ partners or Manager or its Directors/ Partners or Trustees/ Trustee Company or its directors are/ were involved in any litigation connected with the securities market and any order has/ had been passed against them for violation of securities laws. (If Yes, provide details. If No, enclose a declaration to that effect).
- (b) Whether the applicant/ Sponsor/ Trustee/ Manager or its directors or Partners or employees are / have been involved in any litigation connected with the securities market which may have an adverse bearing on the business of the applicant or any order has/ had been passed against them for violation of securities laws. (If Yes, provide details. If No, enclose a declaration to that effect).
- (c) Whether applicant/ Sponsor/ Trustee/ Manager or its directors or Partners has/ have been refused a certificate by the Board or its/ their certificate has been suspended at any time prior to this application. (If Yes, provide details. If No, enclose a declaration to that effect).

7. OTHER INFORMATION/DECLARATIONS

- (a) Amount contributed/ proposed to be contributed by the Sponsor(s)/Manager(s) as per clause (d) of regulation 10 along with details of the same. (Provide copies of commitment letters from the sponsor(s)/manager(s)).
- (b) Whether the applicant, Sponsor and Manager are fit and proper persons based on the criteria specified in the Securities and Exchange Board of India (Intermediaries) Regulations, 2008; (Enclose a declaration to that effect).
- (c) Declaration that the applicant shall comply with the provisions of regulation 10 with respect to investment in the Alternative Investment Fund.
- (d) Declaration that the applicant shall comply with the provisions of regulation 15 and 16 with respect to general investment conditions and conditions for the applicable category.

DECLARATION STATEMENT (TO BE GIVEN AS BELOW)

We hereby agree and declare that the information supplied in the application, including the attachment sheets, is complete and true.

AND we further agree that, we shall notify the Securities and Exchange Board of India immediately any change in the information provided in the application.

We further agree that we shall comply with, and be bound by the Securities and Exchange Board of India Act, 1992, and the Securities and Exchange Board of India (Alternative Investment Funds) Regulations, 2012, and Government of India guidelines/instructions as may be announced by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

We further agree that as a condition of registration, we shall abide by such operational instructions/directives as may be issued by the Securities and Exchange Board of India from time to time.

For and on behalf of _____

(Name of the applicant)

Authorized signatory

(Signature)

FORM B**Securities and Exchange Board of India
(Alternative Investment Funds) Regulations, 2012***See regulation 6***Certificate of registration as Alternative Investment Fund**

- I. In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 12 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), read with the regulations made thereunder, the Board hereby grants a certificate of registration to

as an Alternative Investment Fund subject to the conditions specified in the Act and in the regulations made thereunder.

- II. The Category of the Alternative Investment Fund shall be -

- III. The Registration Number of the Alternative Investment Fund is

IN/AIF/Category___/_____

Date :

Place : MUMBAI

By Order

Sd/-

For and on behalf of
Securities and Exchange Board of India

SECOND SCHEDULE**Securities and Exchange Board of India****(Alternative Investment Funds) Regulations, 2012**

See sub-regulations (2) and (5) of regulation 3, sub-regulation (2) of regulation 6 and sub-regulation (2) of regulation 12

FEES**PART A****AMOUNT TO BE PAID AS FEES**

<i>Application fee</i>	<i>₹ 1,00,000</i>
<i>Registration fee</i>	<i>₹ 5,00,000</i>
<i>Scheme Fee</i>	<i>₹ 1,00,000</i>
<i>Re-registration Fee</i>	<i>₹ 1,00,000</i>

PART B

The fees specified above shall be payable by bank draft in favour of "The Securities and Exchange Board of India" at Mumbai.

Third Schedule**[see regulation 38]****1. Amendment to Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure) Regulations, 2009,**

- (i) In regulation 2, in sub-regulation (1), in clause (zd), in sub-clause (i) after the words “venture capital fund” and before the words “and”, the words “, Alternative Investment Fund” shall be inserted;
- (ii) In regulation 37, in the proviso, clause (b) shall be substituted with the following namely, —

“(b) equity shares held by a venture capital fund or alternative investment fund of category I or a foreign venture capital investor:

Provided that such equity shares shall be locked in for a period of at least one year from the date of purchase by the venture capital fund or alternative investment fund or foreign venture capital investor.”

2. Amendment to Securities and Exchange Board of India (Foreign Venture Capital Investors) Regulations, 2000, -

- (i) In regulation 2,
 - (a) clause (l) shall be substituted with the following namely, —

“(l) “Venture Capital Fund” means a fund registered with the Board under the Securities and Exchange Board of India (Venture Capital Funds) Regulations, 1996 or under the Securities and Exchange Board of India (Alternative Investment Funds) Regulations, 2012 in the sub-category of “Venture Capital Fund” under Category I Alternative Investment Fund.”
 - (b) clause (m) shall be substituted with the following namely, —

“(m) “Venture Capital undertaking” means a venture capital undertaking as defined under clause(aa) of sub-regulation (1) of regulation 2 of the Securities and Exchange Board of India (Alternative Investment Funds) Regulations, 2012.”
 - (c) In sub-regulation (2), after the words “Securities and Exchange Board of India (Venture Capital Funds) Regulations, 1996” the words and numbers “or Securities and Exchange Board of India (Alternative Investment Funds) Regulation, 2012” shall be inserted.
- (ii) In regulation 4, in sub-regulation (1), clause (e) after the words “venture capital fund” the words “or Alternative Investment Fund” shall be inserted:

- (iii) In regulation 11, in clause (b), after the words “venture capital fund”, the words “or alternative investment fund” shall be inserted.
- (iv) In regulation 11, in clause (c), the words “venture capital undertaking” wherever occurring shall be replaced with the words “venture capital undertaking or investee company as defined in clause (o) of sub-regulation (1) of regulation 2 of Securities and Exchange Board of India (Alternative Investment Funds) Regulation, 2012”.

3. Amendments to Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisitions of Shares and Takeover) Regulations, 2011.

- (i) In regulation 2, in sub-regulation (1), in clause (q), in sub-clause (2) after item (viii) the following new item shall be inserted namely:-
“(viiia) an alternative investment fund and its sponsor, trustees, trustee company and manager;”
- (ii) In regulation 10, in sub-regulation (4), in clause (f) the words “venture capital fund” wherever occurring shall be replaced with the words “venture capital fund or Category I Alternative Investment Fund”.

U. K. SINHA, Chairman
[ADVT. III/4/Exty./69-ZB/12]